राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 23 अप्रैल 2025

वर्ष 14, अंक 14, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

ग़ाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

र में गूंजा डंप ट्रम्प, नहीं थम रहा है प्रदर्शन, क्यों भड़के लोग?...03

US में गूंजा डंप ट्रम्प, नहीं थम रहा है प्रदर्शन, क्यों भड़के लोग?.....04

एमपी में OBC आरक्षण के मुद्दे पर SC में हुई सुनवाई; कोर्ट ने सभी ट्रांसफर पिटीशन किए स्वीकार

मध्य प्रदेश में ओबीसी के आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर से गरम है सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के मामले पर सुनवाई

● कोर्ट ने सभी ट्रांसफर पिटीशन स्वीकार कर लिया है और सारे केस सुप्रीम कोर्ट में बुलाने का आदेश दिया है. वहीं, सीएम मोहन यादव ने कहा कि सरकार हर हाल में आरक्षण देने के पक्ष में है।

स्वतंत्र प्रभात

मध्य प्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के मामले पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लगाई गई सभी ट्रांसफर पिटीशन स्वीकार कर लिया. शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकारी विभागों में चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति होल्ड करने का मामला भी सुनेंगे. इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने अहम सुझाव भी दिया।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जज उज्जवल भुयान की पीठ के ओबीसी आरक्षण के खिलाफ लगाई गई कुल 52 ट्रांसफर पिटीशन पर सुनवाई की. न्यायालय ने उसके समक्ष रखी गई स्थानांतरण याचिकाओं (ञ्जह्लड्डठ्ठह्यद्धद्गह्न क्वह्लद्बह्लद्बश्ठ्ठह्य) को स्वीकृत कर सारे केस सुप्रीम कोर्ट में बुलाने का आदेश दिया. इन मामलों की सुनवाई अब रिट याचिका (सिविल) संख्या 423/2019 के साथ की जाएगी।

सरकार हर हाल में आरक्षण देने के पक्ष में है- CM

मध्य प्रदेश में ओबीसी के आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर से गहरा गया है. ओबीसी महासभा और राज्य की मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस इसको लेकर मोहन यादव सरकार पर हमलावर है. वहीं, सीएम मोहन यादव ने स्पष्ट कर दिया है कि ओबीसी आरक्षण पर सरकार का स्टैंड कायम है. उन्होंने कहा है कि, 'हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना पर कार्य कर रहे हैं।' उन्होंने कहा है कि सरकार हर हाल में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के पक्ष में हैं. ओबीसी की रिपोर्ट बीजेपी की पूर्ववर्ती शिवराज सिंह चौहान के वक्त आई थी. इस रिपोर्ट का पुनर्निरीक्षण किया जा रहा, साथ ही इसके खिलाफ जिन लोगों ने कोर्ट में याचिका दायर की है उन सभी को बुलाकर बात की जाएगी. इससे एक दिन पहले सीएम मोहन यादव ने कांग्रेस को इस मुद्दे पर सरकार पर आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबान में झांकने की सलाह दी थी.

कमलनाथ सरकार ने बढ़ाया था आरक्षण

बता दें कि, मध्य प्रदेश में साल 2019 में तत्कालीन कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ने राज्य में ओबीसी का आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया था. इसको लेकर सरकार ने अध्यादेश भी जारी किया था और इसे विधानसभा से भी पारित कराया था. हालांकि, इसके बाद इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई और इसपर रोक लग गई. इसके बाद से यह मुद्दा कोर्ट के समझ विचाराधीन है।

चीफ जस्टिस तय करेंगे सुनवाई की अगली तारीख

याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने ओबीसी महासभा के अधिवक्ता से कहा

कि नियुक्ति नहीं देने, एक्ट का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ पिटीशन लगाइए हम उस पर सुनवाई कर निर्देश जारी करेंगे। इस मामले की अगली सुनवाई कब होगी इसकी तारीख चीफ जस्टिस तय करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में लगाई हैं ट्रांसफर याचिकाएं

आपको बता दें कि एमपी में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के खिलाफ ट्रांसफर याचिकाएं लगाई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सभी 51 याचिकाओं को स्वीकारते करते हुए सुनवाई करने की बात कही। एमपी के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने ओबीसी आरक्षण मामलों की अत्यावश्यकता एवं जल्द सुनवाई का हवाला देते हुए इनकी शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया। जिसके जवाब में न्यायालय ने संकेत दिया कि मुख्य न्यायाधीश द्वारा मामलों की सुनवाई के लिए एक उपयुक्त पीठ का गठन किया जाएगा।

OBC महासभा के तर्क को कोर्ट ने सही माना

ओबीसी महासभा के वकीलों ने अदालत के सामने मध्य प्रदेश इमं विभिन्न विभागों द्वारा सरकारी नियुक्तियां नहीं देने का मुद्दा उठाया। वकीलों ने कहा कि प्रदेश में कई विभागों में भर्ती हुई जिनमें बड़ी संख्या में उम्मीदवार चुने गए, इसके बाद भी 27 ओबीसी आरक्षण का मामला कोर्ट में चलने की बात कहकर सरकार द्वारा उन्हें नियुक्तियां नहीं दी जा रहीं हैं जबकि इसपर किसी भी कोर्ट ने कोई कानूनी पाबंदी नहीं लगाई है।

कोर्ट ने कहा पिटीशन लगाइए, हम निर्देश देंगे

ओबीसी महासभा के अधिवक्ता ने कोर्ट में चल रही प्रक्रिया के नाम पर चयनित उम्मीदवारों को जॉइन नहीं कराने पर आपत्ति व्यक्त की। तर्क सुनने के बाद कोर्ट ने ओबीसी महासभा के अधिवक्ता से इस संबंध में पिटीशन लगाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति नहीं देनेवाले, एक्ट का क्रियान्वयन नहीं करनेवालों के खिलाफ आप पिटीशन लगाइए। हम सुनवाई कर क्रियान्वयन के निर्देश जारी करेंगे।

OBC महासभा ने कहा न्याय के लिए संघर्ष जारी रहेगा

ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एडवोकेट धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा ने बताया कि मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण पर 13त्न होल्ड पर ओबीसी महासभा 13त्न अनहोल्ड करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में जल्दी ही याचिका प्रस्तुत करेगा। हम

सुप्रीम कोर्ट या संसद, संविधान में सर्वोच्च कौन? निशिकांत के बयान पर सियासत गर्म

स्वतंत्र प्रभात

सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई पर सवाल उठाने को लेकर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की जमकर आलोचना की जा रही है. बीजेपी ने निशिकांत दुबे के बयान से किनारा कर लिया है, लेकिन विपक्ष आक्रामक हो गया है. वहीं, इस बीच जस्टिस बी आर गवई ने भी इस पर कमेंट कर दिया जो अगले महीने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनने वाले हैं. ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है संसद बड़ी या सुप्रीम कोर्ट?

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के बयान से इस वक्त पूरे देश में सियासी बवाल मचा हुआ है. उन्होंने देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई पर सवाल उठाया था. उन्होंने इतना तक कह दिया देश में धार्मिक और गृह युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है. उनके इस बयान की जबरदस्त आलोचना हो रही है. बीजेपी ने निशिकांत दुबे के बयान से किनारा कर लिया है, लेकिन विपक्ष आक्रामक हो गया है. विपक्ष को ये कहने का मौका एक बार फिर मिल गया कि बीजेपी संस्थानों पर लगाम लगाना चाहती है और उसे खत्म करना चाहती है।

निशिकांत दुबे के बयान के बाद आज सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी आर गवई ने दो बार एक ही कमेंट किया, जो इस मामले से ही जुड़ा हुआ है. पहला कमेंट पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग पर था. दूसरा कमेंट ह्रञ्ज को लेकर याचिका पर था, जिसमें एडल्ट कंटेंट रोकने की मांग की गई थी. दोनों की सुनवाई के दौरान जस्टिस बी. आर. गवई ने कहा कि हमारी तो आलोचना हो रही है कि सुप्रीम कोर्ट विधायिका के अधिकार क्षेत्र में दखल दे रहा है. जस्टिस बी.आर. गवई देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे और 14 मई को शपथ लेंगे. ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सरकार और सुप्रीम कोर्ट में टकराव है?

सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाना अधिकार है या अवमानना या फिर सुप्रीम कोर्ट बड़ा है या संसद?

निशिकांत दुबे ने क्या कहा था?

पहले जान लीजिए कि निशिकांत दुबे ने क्या कहा था? बीजेपी सांसद ने कहा था कि अपॉइंटिंग अथॉरिटी को आप निर्देश कैसे दे सकते हैं. भारत के चीफ जस्टिस की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति करते हैं. इस देश का कानून भारत की संसद बनाती है. उस संसद को आप डिक्टेट करेंगे? इस देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए केवल और केवल सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है. सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमा से बाहर जा रहा है. सुप्रीम कोर्ट की सीमा ये है कि भारत का संविधान जिस कानून को बनाया, उस कानून की उन्हें व्याख्या करनी है और यदि व्याख्या नहीं कर सकती है और सबकुछ के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना है तो इस संसद का कोई मतलब नहीं है. विधानसभा का कोई मतलब नहीं है इसको बंद कर देना चाहिए।

दुबे के बयान पर जयराम रमेश का पलटवार

निशिकांत दुबे के बयान पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि संविधान जो अधिकार देता है सुप्रीम कोर्ट को उसे काटने और कमजोर करने में लगे हुए हैं. संवैधानिक पदाधिकारी भी सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बोल रहे हैं. मंत्री भी सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बोल रहे हैं. बीजेपी के सांसद भी सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बोल रहे हैं क्योंकि सुप्रीम कोर्ट एक ही बात कह रहा है कि जब आप कानून बनाते हैं तो संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर के खिलाफ मत जाइए. संविधान के खिलाफ है तो कानून स्वीकार नहीं कर सकते।

सुप्रीम कोर्ट बड़ा है या संसद..किसने क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट बड़ा है या संसद, इस सवाल पर सुप्रीम कोर्ट के वकील अमिताभ सिन्हा ने कहा कि संविधान में एक आर्टिकल है 361. इसके मुताबिक, यह अनुच्छेद कहता है कि जो भी संवैधानिक पद हैं यानी राष्ट्रपति या राज्यपाल, उनके किसी भी कार्य के बारे में व्याख्या नहीं हो सकती है और उसे चैलेंज नहीं किया जा सकता। अगर यह करना है कि संविधान से 361 को खत्म कर दे. वहीं, अमिताभ सिन्हा की टिप्पणी पर पूर्व स्त्र के सी कौशिक ने कहा कि यहां अनुच्छेद 361 आउट ऑफ कॉन्टेस्ट है. उसमें सिर्फ ये दिया है राष्ट्रपति और राज्यपाल, उनका जो एक्ट है, उनके खिलाफ कोई क्रिमिनल एक्ट नहीं हो

संक्षिप्त ख़बरें

नौतपा 25 मई से, अबकी बार पड़ेगी प्रचंड गर्मी

नौतपा का यह समय अत्यधिक गर्मी के लिए जाना जाता है। इस दौरान सूर्य पृथ्वी के सबसे निकट होते हैं, जिससे तापमान में तेजी से वृद्धि होती है और भीषण गर्मी का अनुभव होता है। इस साल नौतपा की शुरुआत 25 मई से होगी, जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेगा। यह अवधि नौ दिनों तक चलेगी और इसका समापन 8 जून को होगा, जब सूर्य मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश करेगा। वैसे तो नौतपा के शुरुआती 9 दिन सबसे गरम होते हैं, लेकिन ये 15 दिन की अवधि होती है, जिसमें सबसे अधिक भीषण गर्मी पड़ती है। यह नौ दिन प्रकृति के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है, क्योंकि इस दौरान धरती सूर्य की तेज ऊष्मा को अवशोषित करती है, जो आगे चलकर मानसून के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करती है। आइए इस बारे में और विस्तार से जानते हैं।

हर साल ज्येष्ठ महीने की शुरुआत में नौतपा शुरू होता है। ये 15 दिन का होता है, लेकिन शुरुआती 9 दिनों में बहुत गर्मी होती है। इसलिए इसे नौतपा कहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ये नक्षत्र 15 दिन तक रहता है। पर शुरू के 9 दिन नौतपा कहलाते हैं। इन दिनों में तापमान बहुत ज्यादा होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि मई के आखिरी हफ्ते में सूरज और धरती के बीच की दूरी कम हो जाती है। सूरज की किरणें सीधे धरती पर पड़ती हैं। इसलिए इन दिनों में गर्मी ज्यादा होती है। नौतपा में गर्मी से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए और खूब पानी पीना चाहिए और धूप में कम निकलना चाहिए।।

नौतपा में करें ये उपाय।

नौतपा के दौरान गर्मी से बचने और भगवान का आशीर्वाद पाने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं। सूर्य को अर्घ्य देना, ठंडी चीजें दान करना, भगवान कृष्ण की पूजा करना, शिवलिंग पर जल चढ़ाना, और लोगों को मीठा खिलाना जैसे काम किए जा सकते हैं। इसके अलावा, मेंहदी लगाना और सूती वस्त्र दान करना भी लाभकारी होता है। ये सभी उपाय गर्मी से राहत दिलाने के साथ-साथ पुण्य भी दिलाते हैं।

निशिकांत दुबे के बयान के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की अनुमति पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इसकी जरूरत नहीं है

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि उन्हें भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने के लिए अदालत की अनुमति की आवश्यकता नहीं है. दुबे ने शीर्ष अदालत और भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की आलोचना की है. शनिवार को भाजपा ने दुबे की सुप्रीम कोर्ट की आलोचना से खुद को अलग कर लिया था और पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने टिप्पणियों को उनका निजी विचार बताया था. आज यह मामला न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने भाजपा सांसद द्वारा की गई टिप्पणियों के बारे में हाल ही में आई खबरों का हवाला दिया और कहा कि वह अदालत की अनुमति से अवमानना याचिका दायर करना चाहते हैं. इस पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा, "आप इसे दायर करें. दायर करने के लिए, आपको हमारी अनुमति की आवश्यकता नहीं है।"

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को इस मामले में भारत के अटॉर्नी जनरल से मंजूरी लेनी होगी। पिछले हफ्ते दुबे ने सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को कानून बनाना है तो संसद और राज्य विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए. भाजपा सांसद ने सीजेआई खन्ना पर भी निशाना साधा और उन्हें देश में "गृह युद्धों"के लिए जिम्मेदार ठहराया।

बाद में, वक्फ अधिनियम मामले में एक वादी का प्रतिनिधित्व करने वाले शीर्ष अदालत के वकील अनस तनवीर ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी को पत्र लिखकर दुबे के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की सहमति मांगी, जिसमें शीर्ष अदालत की गरिमा को कम करने के उद्देश्य से की गई उनकी घोर निंदनीय टिप्पणी थी।

पत्र में कहा गया है, "मैं यह पत्र न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 15(1)(बी) के साथ सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना के लिए कार्यवाही को विनियमित करने के नियम, 1975 के नियम 3(सी) के तहत झारखंड के गोड्डा संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य निशिकांत दुबे के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के लिए आपकी सहमति मांगने के लिए लिख रहा हूं. उनके द्वारा सार्वजनिक रूप से दिए गए बयान बेहद निंदनीय, भ्रामक हैं और इनका उद्देश्य भारत

ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का निधन, 88 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

स्वतंत्र प्रभात

कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र निधन हो गया है। वेटिकन के मुताबिक स्थानीय समयानुसार आज सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर पोप ने आखिरी सांस ली। पोउनका निधन वेटिकन के कासा सांता मार्टा स्थित उनके निवास स्थान पर हुआ। कार्डिनल केविन फेरेल, वेटिकन कैमरलेन्गो ने कहा, "सोमवार सुबह 7ः35 बजे, रोम के बिशप फ्रांसिस पिता के घर लौट आए। उनका पूरा जीवन प्रभु और उनके चर्च की सेवा के लिए समर्पित था।' उन्होंने कहा कि पोप फ्रांसिस ने हमें मूल्यों, साहस और सार्वभौमिक प्रेम के साथ जीना सिखाया, खासकर सबसे गरीब और सबसे हाशिए पर पड़े लोगों के लिए।

वह 88 वर्ष के थे और अपने 12 साल के पोप कार्यकाल में वह कई बीमारियों से पीड़ित रहे।फ्रांसिस, पुरानी फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे। युवावस्था में उनके एक फेफड़े का हिस्सा निकाल दिया गया था। उन्हें 14 फरवरी, 2025 को सांस की तकलीफ के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जो

बाद में डबल निमोनिया में बदल गया। उन्होंने वहां 38 दिन बिताए। रविवार को पोप फ्रांसिस ने ईस्टर संडे के अपने संबोधन में विचार की स्वतंत्रता और सहिष्णुता का आह्वान किया।बेसिलिका की बालकनी से 35,000 से अधिक लोगों की भीड़ को ईस्टर की शुभकामनाएं देने के बाद, फ्रांसिस ने अपने पारंपरिक "उर्बी एट ओर्बी" ("शहर और दुनिया के लिए") आशीर्वाद को पढ़ने का काम एक सहयोगी को सौंप दिया। उन्होंने कहा, "धर्म की स्वतंत्रता, विचार की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और दूसरों के विचारों के प्रति सम्मान के बिना शांति नहीं हो सकती है।" उन्होंने "चिंताजनक" यहूदी-विरोध और गाजा में 'नाटकीय और निंदनीय' स्थिति की भी निंदा की।

बलुआघाट ओवरहेड टैंक का उद्घाटन अब तक अधर में, जनता जल संकट से त्रस्त

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। नगर क्षेत्र के बलुआ घाट मोहल्ले में दो वर्ष पूर्व करोड़ों की लागत से निर्मित ओवरहेड टैंक का अब तक उद्घाटन न हो पाना नगरवासियों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। एक ओर जहां टैंक निर्माण के समय इसे इलाके की जल समस्या का स्थायी समाधान बताया गया था, वहीं दूसरी ओर दो साल बीत जाने के बाद भी इसका उपयोग शुरू न होना प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि टैंक का निर्माण कार्य बहुत पहले ही पूरा हो चुका है। पाइपलाइन बिछाने से लेकर सभी जरूरी उपकरण भी स्थापित किए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक जल आपूर्ति शुरू नहीं की गई। गर्मी के इस भीषण दौर में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। महिलाएं और बच्चे कई-कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर हैं।

जनता का आरोप है कि ओवरहेड टैंक को लेकर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही अब असहनीय होती जा रही है। सवाल यह भी उठता है कि जब सब

कुछ तैयार है, तो फिर उद्घाटन की औपचारिकता में देरी क्यों की जा रही है? क्या जनता को पानी जैसे मूलभूत अधिकार के लिए भी अब राजनीति का मोहताज होना पड़ेगा? वहीं, कुछ सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों ने इस मुद्दे पर प्रदर्शन की चेतावनी भी दी है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से ओवरहेड टैंक का उद्घाटन कर जल आपूर्ति शुरू की जाए, अन्यथा वे व्यापक जन आंदोलन को बाध्य होंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि कब नींद से जागते हैं और कब बलुआ घाट के निवासियों को उनके हिस्से का पानी मिल पाता है।

लेटलतीफी छात्रों का वीडियो हुआ सोशल मीडिया पर वायरल तो हरकत में आए अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज, लखनऊ। विकासखंड मोहनलालगंज के सिर्स प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका रीना देवी ने विद्यालय गेट पर ताला जड़ दिया। इस दौरान स्कूल पहुंचे बच्चे बाहर गेट के पास ही घंटों बैठे रहे। मामला सहायक अध्यापिका संध्या देवी की नियमित लेटलतीफी और अनियमित कार्यशैली को लेकर उपजा विवाद है, जो अब तूल पकड़ चुका है।

क्या है पूरा मामला.......- स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, सहायक अध्यापिका संध्या देवी अक्सर विद्यालय देर से पहुंचती हैं, जिससे न सिर्फ विद्यालय का संचालन प्रभावित होता है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ता है। कई बार समझाने और विभागीय शिकायतों के बावजूद अध्यापिका के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। स्थिति से परेशान होकर प्रधानाध्यापिका रीना देवी ने सोमवार सुबह बच्चों को बाहर बैठाकर विद्यालय गेट में ताला लगा दिया और पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होते ही मामला तेजी से सुर्खियों में आ गया।

पुराना विवाद भी आया सामने......

सूत्र बताते हैं कि प्रधानाध्यापिका और सहायक अध्यापिका के बीच पहले से ही खींचतान चल रही है। कुछ दिन पहले उपस्थिति रजिस्टर पर हस्ताक्षर को लेकर दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि रजिस्टर का पेज तक फाड़ दिया गया। इसके बाद से दोनों शिक्षकों के बीच आपसी तनाव और अधिक बढ़ गया।

ग्राम प्रधान व शिक्षा अधिकारियों ने की जांच....

घटना की सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान सुरेश कुमार, उपखंड शिक्षा अधिकारी, रसोईया और कुछ अभिभावक विद्यालय पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उपखंड शिक्षा अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

शिक्षा विभाग का पक्ष.- जब इस मामले में खंड शिक्षा अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने बताया संध्या देवी के खिलाफ पूर्व में भी शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिसके आधार पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। विद्यालय में अनुशासनहीनता व शिक्षकों के बीच विवाद की स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। जैसे ही इस ताजा प्रकरण की जानकारी मिली, दोनों अध्यापिकाओं के खिलाफ विभागीय

जांच का आदेश दिया गया है। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

शिक्षा पर पड़ रहा असर......

फिलहाल इस विवाद का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। ताला लगने की वजह से स्कूल का शैक्षिक माहौल प्रभावित हुआ है और छात्रों को दिनभर स्कूल के बाहर बैठकर समय गुजारना पड़ा।

अभिभावकों में आक्रोश......

विद्यालय के बाहर मौजूद कई अभिभावकों ने भी प्रशासन की उदासीनता पर नाराज़गी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते कार्रवाई की जाती, तो आज बच्चों को इस तरह स्कूल के बाहर नहीं बैठना पड़ता।

अब क्या आगे होगा......

अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या सोशल मीडिया पर वायरल इस घटना के बाद शिक्षा विभाग कोई ठोस कदम उठाएगा या फिर यह मामला भी अन्य विवादों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा।

पृथ्वी दिवस- प्रकृति के साथ एक नई शुरुआत का संकल्प

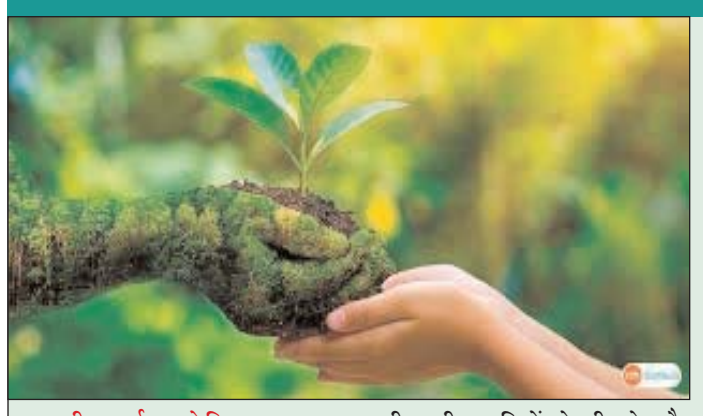

धरती का दर्द- हमने लिया सब कुछ, लौटाया क्या? क्या हम तैयार हैं बदलाव के लिए?

धरती की पुकार आज हर दिल तक पहुँच रही है। उसके जंगल आग की लपटों में सुलग रहे हैं, नदियाँ सिसकियों में सूख रही हैं, और हवा, जो कभी जीवन की ताजगी थी, अब ज़हर बन चुकी है। यह धरती—हमारा एकमात्र आश्रय—हमसे सवाल कर रही है- हमने उसे क्या दिया, जिसने हमें अनमोल जीवन, शुद्ध जल, और हरियाली की गोद दी विश्व पृथ्वी दिवस, जो हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाता है, केवल एक दिन नहीं, बल्कि एक जागृति का आलम है। यह वह क्षण है जब हमें रुकना होगा, अपने कर्मों पर विचार करना होगा, और उस ग्रह की रक्षा के लिए कदम उठाना होगा, जिसने हमें सब कुछ दिया। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम धरती के मालिक नहीं, बल्कि इसके रखवाले हैं। इसका स्वास्थ्य ही हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य है। 1970 में अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरणीय तबाही के खिलाफ एक क्रांतिकारी कदम उठाया। उस दौर में औद्योगिक प्रगति ने प्रकृति का बेरहमी से दोहन किया था। कारखानों का धुआँ आकाश को ढँक रहा था, नदियाँ रसायनों से जहरीली हो रही थीं, और प्राकृतिक संसाधनों की लूट मानवता को विनाश की ओर धकेल रही थी। 22 अप्रैल 1970 को पहले पृथ्वी दिवस में दो करोड़ लोगों ने हिस्सा लिया। यह एक ऐतिहासिक पल था, जिसने पर्यावरण संरक्षण की वैश्विक चेतना को जागृत किया। इस आंदोलन ने अमेरिका में स्वच्छ वायु अधिनियम (1970) और स्वच्छ जल अधिनियम (1972) जैसे कानूनों को जन्म दिया। आज 193 से अधिक देश इस दिन को मनाते हैं, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा धर्मनिरपेक्ष उत्सव बनाता है। यह दिन हमें अतीत की गलतियों से सीखने और भविष्य को संवारने की प्रेरणा देता है।

धरती आज अभूतपूर्व संकटों से गुजर रही है। संयुक्त राष्ट्र की 2023 की जलवायु रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि तुरंत कार्रवाई न हुई, तो 2050 तक वैश्विक तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसके परिणामस्वरूप सूखा, बाढ़, और तूफान 30त्न अधिक तीव्र और बार-बार होंगे। जैव विविधता का ह्रास भी भयावह है—10 लाख प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर हैं। समुद्र का स्तर 2100 तक 1 मीटर तक बढ़ सकता है, जिससे कोलकाता, मुंबई जैसे तटीय शहर डूबने के खतरे में हैं। प्लास्टिक प्रदूषण ने स्थिति को और गंभीर किया है। हर साल 400 मिलियन टन प्लास्टिक उत्पादित होता है, जिसमें से 14 मिलियन टन समुद्रों में पहुँचता है, जो समुद्री जीवन और मानव खाद्य शृंखला को नष्ट कर रहा है। भारत में स्थिति चिंताजनक है—गंगा और यमुना जैसी नदियाँ 70% तक प्रदूषित हैं, और दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक अक्सर 300 से ऊपर रहता है, जो "खतरनाक "स्तर है। ये आँकड़े हमें बताते हैं कि अब और देर नहीं की जा सकती।

पृथ्वी दिवस केवल सामूहिक अभियानों का दिन नहीं है; यह हमारी जीवनशैली को बदलने का अवसर है। यह हमें मजबूर करता है कि हम अपनी आदतों पर सवाल उठाएँ। छोटे-छोटे कदम बड़े बदलाव की नींव रख सकते हैं। मसलन, एक रीयूजेबल बोतल अपनाने से हर व्यक्ति सालाना 156 प्लास्टिक बोतलों का कचरा रोक सकता है। एक पेड़ अपने जीवनकाल में 48 पाउंड कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है। अगर भारत का हर नागरिक एक पेड़ लगाए, तो 1.4 अरब पेड़ जलवायु परिवर्तन से लड़ सकते हैं। एलईडी बल्ब इस्तेमाल करने से 50त्न तक बिजली बचेगी। 5 मिनट की छोटी शॉवर से 10 गैलन पानी की बचत हो सकती है। ये कदम न केवल पर्यावरण की रक्षा करते हैं, बल्कि हमारे संसाधनों को भी संरक्षित करते हैं।

पृथ्वी दिवस की सबसे बड़ी ताकत यह है कि यह हर व्यक्ति को बदलाव का हिस्सा बनने का मौका देता है। स्कूलों में बच्चे पौधे रोपते हैं, युवा साइकिल रैलियों में उत्साह दिखाते हैं, और समुदाय कचरा प्रबंधन में जुटते हैं। लेकिन बदलाव केवल बाहरी प्रयासों तक सीमित नहीं है। यह हमारी रोजमर्रा की आदतों में झलकना चाहिए। कपड़े का थैला अपनाना, बिजली बचाना, पानी का दुरुपयोग रोकना, या कार पूलिंग जैसे कदम सामूहिक रूप से धरती के लिए चमत्कार कर सकते हैं। भारत में स्वच्छ गंगा मिशन, 2030 तक 50% नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य, और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का संकल्प जैसे प्रयास प्रेरणा देते हैं। पृथ्वी दिवस हमें इन पहलों का हिस्सा बनने और स्थानीय स्तर पर बदलाव लाने का आह्वान करता है।

यह दिन हमें एक गहरे नैतिक दायित्व की याद दिलाता है। धरती हमारी माता है, और उसकी रक्षा हमारा कर्तव्य। हमने उससे शुद्ध हवा, पानी, और उपजाऊ मिट्टी जैसे अनमोल उपहार लिए, लेकिन बदले में उसे प्रदूषण, कचरा, और विनाश दिया। पृथ्वी दिवस हमें सिखाता है कि हमें उपभोक्ता नहीं, संरक्षक बनना होगा। यह सोच केवल 22 अप्रैल तक सीमित नहीं रहनी चाहिए; इसे हमारी जीवनशैली का हिस्सा बनना होगा। हर निर्णय—चाहे वह खरीदारी हो, यात्रा हो, या भोजन हो—धरती के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर लेना होगा। बेवजह बिजली जलाना या कचरे को बिना छाँटे फेंकना जैसे छोटे-छोटे काम धरती पर भारी बोझ डालते हैं। पृथ्वी दिवस की असली ताकत इसकी वैश्विक एकता में है। यह वह दिन है जब अमीर-गरीब, विकसित और विकासशील देश एक साझा लक्ष्य के लिए एकजुट होते हैं। 2016 का पेरिस समझौता, जिसमें 196 देशों ने जलवायु परिवर्तन से लड़ने का वादा किया, इसी एकता का प्रतीक है। लेकिन यह एकता केवल नीतियों और समझौतों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए; इसे हर व्यक्ति के दिल और दिमाग में उतरना होगा। धरती हमारी साझा विरासत है, और इसे बचाना हमारी साझा जिम्मेदारी। अगर हम आज चुप रहे, तो कल की पीढ़ियाँ हमें कभी माफ नहीं करेंगी। वे एक ऐसी धरती पर जीने को मजबूर होंगी जहाँ शुद्ध हवा, पानी, और हरियाली दुर्लभ होंगे। वर्तमान में धरती की हालत चिंताजनक है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, और चरम मौसमी घटनाएँ बढ़ रही हैं। भारत जैसे देश में, जहाँ जनसंख्या का दबाव और औद्योगिक विकास पर्यावरणीय चुनौतियों को और जटिल बनाते हैं, पृथ्वी दिवस का महत्व और बढ़ जाता है। फिर भी, भारत ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन और 2030 तक कार्बन उत्सर्जन कम करने का संकल्प जैसे कदम उठाए हैं। यह दिन हमें इन प्रयासों में हिस्सेदार बनने की प्रेरणा देता है। पृथ्वी दिवस हमें सिखाता है कि धरती का हर प्राणी, हर पेड़, और हर नदी हमारे जीवन का हिस्सा है। हमारा अस्तित्व प्रकृति के साथ संतुलन में ही संभव है। यह दिन एक संकल्प लेने का अवसर है—कि हम अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के प्रति जागरूक रहेंगे। धरती ने हमें जीवन का अनमोल उपहार दिया है; अब हमारी बारी है कि हम उसे प्यार, देखभाल, और सम्मान लौटाएँ। आइए, इस पृथ्वी दिवस पर वादा करें कि हम वह बदलाव बनेंगे जो धरती को फिर से हरा-भरा और जीवंत बनाएगा। क्योंकि धरती बचेगी, तभी हम बचेंगे।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

कब रुकेगा नवजात बच्चों की खरीद फरोख्त का सिलसिला?

सुप्रीम कोर्ट ने नवजात बच्चों को खरीद-फरोख्त रोकने के लिए देश के अस्पतालों को जो दिशा-निर्देश जारी किया है, वह ऐतिहासिक होने के साथ ही मानवीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। एक मां जो अपने बच्चे को नौ महीने कोख में रखने के बाद तमाम पीड़ा सहते हुए उसे जन्म देती है और उसको यह पता चले कि उसका बच्चा चोरी हो गया है, तो इससे ज्यादा असहनीय पीड़ा और दर्द किसी मां के लिए हो ही नहीं सकती है। हालांकि अपने देश में यह आम बात हो गया है, क्योंकि प्रतिदिन ऐसे गिरोह का पर्दाफाश होते ही रहता है, जो नवजातों की तस्करी में शामिल हैज गिरोह प्रतिदिन कई माताओं की गोद के सूनी कर देते हैं औरध्यन्यन्यन्यल उनको जिंदगी भर का ऐसा काट और पीड़ा देते हैं, जिसको वह जीते जी नहीं भूल पाती हैं। इसलिए देश की सबसे बड़ी अदालत ने इस मामले में जो फैसला सुनाया है और दिशा-निर्देश जारी किया है, वह बाल तस्करी रोकने के मामले में मील का पत्थर साबित हो सकता है। अदालत ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर यूपी सरकार और इलाहाबाद हाईकोर्ट को फटकार लगाई है और साथ हो बच्चों की तस्करी को रोकने और बाल तस्करी अपराधों से जुड़े मामलों से निपटने के लिए राज्य सरकारों के लिए व्यापक दिशा-निर्देश निर्धारित किए हैं। दरसअल वाराणसी और उसके आसपास के अस्पतालों में हुई बच्चा चोरी की घटनाओं के आरोपियों को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 2024 में जमानत दे दी थी और इसके खिलाफ बच्चों के परिवारों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को सुनते हुए इसका दायरा बढ़ा दिया था और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और भारतीय इंस्टीट्यूट ऑफ डेवेलपमेंट से रिपोर्ट मांगी थी। इसके आधार पर अब दिए फैसले में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे वी पारडीबाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने आरोपियों की जमानत रद्द कर दी है। कोर्ट ने इस बात को फैसले में दर्ज किया है कि यह देशव्यापी गिरोह था और इसके चुराए हुए बच्चे पश्चिम बंगाल, झारखंड और राजस्थान तक से बरामद हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों को समाज के लिए खतरा बताया और कहा कि इन्हें जमानत देना हाई कोर्ट के लापरवाह रवैये को दिखाता है। जमानत के आदेश को चुनौती न देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की भी आलोचना की है। शीर्ष न्यायालय ने बाल तस्करी के मामले में भारतीय इंस्टीट्यूट की तरफ दिए गए सुझावों को अपने फैसले में जगह दी है और सभी राज्य सरकारों कहा है कि उसे पढ़ कर अमल करें। एक अहम निर्देश देते हुए कोर्ट ने कहा है कि अगर कोई महिला बच्चे को जन्म देने के लिए हॉस्पिटल आती है और वहां से नवजात बच्चा चोरी हो जाए, तो सबसे पहले हॉस्पिटल का लाइसेंस सरकार को रद्द कर देना चाहिए। इससे बच्चा चोरी की घटनाओं में कुछ हद तक लगाम लग सकेगी। कोर्ट ने सभी माता-पिता को सलाह दी है कि वह अस्पताल में अपने नवजात बच्चों की सुरक्षा को लेकर ज्यादा सतर्क रहें। सबसे बड़ी बात है कि शीर्ष न्यायालय ने सभी हाई कोर्ट से कहा है कि वह चाइल्ड ट्रैफिकिंग के लंबित मुकदमों का ब्यौरा लें और ट्रायल कोर्ट को उनका निपटारा 6 महीने में करने का निर्देश दें। इसके साथ अदालत ने राज्य सरकारों को निर्देश दिया है वह फैसले के पैराग्राफ 34 में दर्ज की गई सिफारिशों को पड़े और उन पर अमल शुरू करें। अदालत के अनुसार बच्चों के गायब होने की घटनाओं को तब तक अपहरण या मानव तस्करी की तरह देखा जाए, जब तक जांच में कोई और बात सामने नहीं आती। जो लोग पीड़ित हैं, पुलिस उनका विश्वास जीतने की कोशिश करें। उन्हें ऐसा न महसूस कराए जैसे उनके खिलाफ ही जांच हो रही है। मानव तस्करी में शामिल लोगों से सख्ती हो और उनके खिलाफ बैंक खाता फ्रीज करने और अवैध संपत्ति जब्त करने जैसी कार्रवाई हो। मानवीय संवेदनाओं पर अहम टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा है कि अगर किसी माता-पिता का नवजात बच्चा मर जाए, तो उन्हें दुख होता है। वह सोचते हैं कि बच्चा ईश्वर के पास वापस चला गया है, लेकिन अगर उनका नवजात बच्चा चोरी हो जाए, तो उनके दुख का अनुमान नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि अब उनका बच्चा एक अज्ञात गिरोह के पास है। देखा जाए तो शायद ही ऐसा कोई सप्ताह जाता है, जब बच्चों की तस्करी का मामला सामने नहीं आता हो। दो दिन पहले ही देश की राजधानी दिल्ली में नवजात बच्चों की खरीद-फरोख्त का घिनौना कारोबार का मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन नवजात 'के तहत एक ऐसे अंतरराज्यीय मानव तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है जो गरीब परिवारों के मासूम बच्चों को उठाकर दिल्ली-एनसीआर के अमीर निःसंतान कपल को बेचता था। द्वारका जिला पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए गुजरात, राजस्थान और दिल्ली में फैले इस सिंडिकेट के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से महज 3-4 दिन का एक नवजात शिशु भी बरामद किया है। पुलिस जांच में जो बातें सामने आई हैं वह और भी चौंकाने वाली हैं, क्योंकि अब तक इस गिरोह ने 30 से ज्यादा बच्चों को दिल्ली-एनसीआर के अमीर परिवारों को बेचा है। गिरोह के सदस्य राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती इलाकों से गरीब तबके के बच्चों को चोरी करते थे। खासकर गुजरात-राजस्थान बॉर्डर के पाली इलाके में आदिवासी समाज के बच्चों को निशाना बनाया जाता था। कुछ मामलों में तो परिवारों को गुमराह कर या फुसलाकर उनके बच्चों को ले जाया जाता था। इसके बाद इन बच्चों को 5 लाख से लेकर 10 लाख रुपये में बेच दिया जाता था। ऐसा गिरोह सिर्फ दिल्ली में ही नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक राज्य में फैला हुआ है और समय-समय पर राज्य पुलिस के द्वारा कार्रवाई भी की जाती है। लेकिन यह गिरोह जिस प्रकार से पूरे देश में अपनी जाल बिछा चुका है, उसको तोड़ने की जरुरत है। इसके लिए राज्य पुलिस और खुफिया विभाग को मिलकर इस गिरोह पर शिंकजा कसना होगा। अच्छी बात है कि जिस प्रकार से सुप्रीम कोर्ट ने सख्त आदेश देते हुए नवाजातों के मामलो को छह महीने के भीतर निपटाने और अस्पतालों का लाइसेंस रद्द करने का निर्देश दिया है, इससे उम्मीद की किरण दिखायी देने लगी है कि देश में नवजातों का खरीद-फरोख्त का अवैध धंधा बंद होगा और फिर से किसी मां की कोख सूनी नहीं होगी।

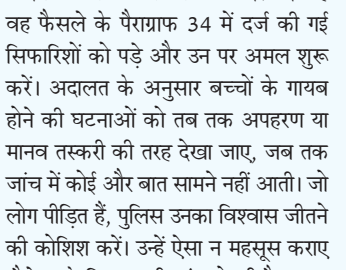

मनोज कुमार अग्रवाल

रोजगार की तलाश में युवा देश की जनसंख्या

युवा नियोजन योजना की जरूरत

भारत एक दशक के बाद सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश होगा और सबसे ज्यादा युवा जनसंख्या वाला भी देश होगा निश्चित तौर पर यह हमारे ऊपर है यह हमारी युवा जनसंख्या का उपयोग हम किस तरह विकास की गति के साथ साथ तालमेल बिठाकर भारत राष्ट्र का गौरव किस तरह बढ़ाते हैंद्य भारत का अधिकांश युवा रोजगार का तलबगार हो गया है,उसे सही मार्गदर्शन और नियोजन की योजना की जरूरत भी है। भारत की युवा और दीवा शक्ति के माध्यम से साइंस, टेक्नोलॉजी,मेडिकल, सेना, कंप्यूटर साइंस और स्वयं उद्यम के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारत को अग्रणी देश बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए द्य अब इस विशाल जनसंख्या का सीमित संसाधन पर कितना दबाव होगा, आप ये कल्पना कर सकते हैं। बहुत अधिक जनसंख्या देश में अनेक सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक समस्याओं को जन्म भी देती है। वर्तमान में भारत 141करोड़ जनसंख्या (अनुमानित) के साथ विश्व में दूसरे नंबर पर है पहले नंबर पर चाइना 145(अनुमानित)करोड़ की आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1989 से 11 जुलाई को हर वर्ष जनसंख्या दिवस के रूप में मनाता है पर जनसंख्या नियंत्रण या जनसंख्या नियोजन पर भारत जैसे देश में कोई भी योजना नहीं बनती है। यही जनसंख्या बढ़ चुकी है और भारत में युवा जनसंख्या 60% से ज्यादा है तो इसका सकारात्मक उपयोग ही किया जाना युक्ति युक्त होगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से भारत की जनसंख्या बाजार की ताकत है पर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या विकास के लिए बड़ी बाधक भी है। अधिक जनसंख्या के दबाव में सीमित संसाधन छिन्न-भिन्न हो जाते हैं आम जनता को उनकी मूल जरूरतों की आवश्यक वस्तुएं नहीं मिल पाती और यदि मिलती भी है तो बहुत ऊंची दरों में या बहुत महंगाई के बाद।ऐसे में देश में अनेक समस्याएं पैदा होती है, और सबसे ज्यादा जनसंख्या के दबाव से विकास के लिए संकट खड़ा हो जाता है। विकास धीरे-धीरे मध्यम का अवरुद्ध हो जाता है। देश का आर्थिक नियोजन चरमराने लगता है। वर्ष 1951 से 81 के दशक को भारत की जनसंख्या की विस्फोटक अवधि के रूप में जाना जाता है। यह देश में मृत्यु दर के तीव्र स्खलन और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर के कारण हुआ है। वर्ष 1921 तक की अवधि में भारत की जनसंख्या की वृद्धि स्थिर अवस्था में रही क्योंकि इस अवधि में जनसंख्या वृद्धि की दर काफी निम्न थी। 1981 से लगातार अभी तक जनसंख्या की दर बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा बढ़ती जनसंख्या के मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस स्लोगन 'परिवार नियोजन मानव का अधिकार 'रखा गया है, ताकि बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न समस्याओं के प्रति जागरूक होकर लोगों द्वारा परिवार नियोजन पर उत्साहजनक जोर दिया जाए।

यह स्लोगन यह संकेत करता है कि सुरक्षित एवं शैक्षिक परिवार नियोजन एक जिम्मेदार नागरिक का अधिकार है और यह सभी लोगों को सशक्त बनाएगा और देश में विकास की गति को तेज करने में सहायक भी होगा। भारत की जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण बढ़ती जन्म दर और कम मृत्यु दर भी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश मैं बेरोजगारी गरीबी पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं चुनौती बनकर सामने आई जो समाज व्यक्ति और राष्ट्र सभी के विकास को अवरुद्ध करती है। हमारे पास उपलब्ध संसाधन इतनी बड़ी आबादी के लिए कतई पर्याप्त नहीं है। विकास और देश की समृद्धि के लिए जनसंख्या नियंत्रण एक आवश्यक अंग हो सकता है। कई यूरोपीय देशों ने अपनी बढ़ती जनसंख्या एवं संसाधनों में उचित तालमेल हेतु परिवार नियंत्रण प्रणाली को का निर्णय लिया किंतु एक समय बाद वहां कार्यशील जनसंख्या की अपेक्षा वृद्धों की संख्या में वृद्धि हुई जिससे मानव संसाधन की समस्याएं उनके सामने आने लगी हैं। चीन में पहले जनसंख्या नियंत्रण किया गया था। सरकार ने वैधानिक रूप से एक या दो बच्चे पैदा करने की शर्तें लागू की थी, पर

वहां बुजुर्गों, वृद्धों की संख्या में भारी वृद्धि होने के पश्चात चीन की सरकार ने ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपनी जनता से अपील की है। जापान एक छोटा सा देश होने के बावजूद अपने सीमित संसाधनों के चलते अपने नवाचार तथा तकनीकी शक्ति के बल पर विकासशील देशों के समकक्ष खड़ा है। भारत जैसे विशाल देश में जहां बहुत बड़ी जनसंख्या भी है और विकास के लिए आवश्यक संसाधन भी हैं, विकास करने के लिए केवल विशाल जनसंख्या के साथ सामंजस्य बिठाने की आवश्यकता होगी। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के साथ-साथ उसके अनुपात में संसाधनों का संतुलन बना कर विकास की नई दिशा दी जा सकती है।

संसाधनों की उचित दोहन हेतु सही और सटीक नीति तथा उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा नवाचार एवं उचित तकनीक प्रौद्योगिकी को भी अमल में लाना होगा। भारत विश्व का प्रथम देश है जिसने 1952 में परिवार नियोजन कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया इसका परिणाम भी अच्छा हुआ था कि पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या की वृद्धि में संतोषजनक गिरावट आई है। यह तो विदित है कि किसी भी राष्ट्र की संतुलित विकास की धारा तभी संभव है जब वहां के विकास में सहायक संसाधनों का संतुलन बना रहे। किसी एक घटक का संतुलन यदि गड़बड़ होता है तो विकास के लिए गंभीर समस्याएं जन्म लेना शुरू करती हैं। भारत की जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो दिन दूर नहीं जब संसाधनों की कमी से भारत को जूझना होगा फिर विकास की बात बेमानी हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य है कि व्यक्ति समाज सरकार और योजना कानों के मन में इस विषय से संबंधित समस्याओं के प्रति चेतना संवेदना जगाना ही है ताकि लोगों में बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी समस्याएं एवं अवरोधों के बारे में जागरूकता ज्यादा से ज्यादा विस्तारित हो। भारत के पास विकास के सभी मापदंड होते हुए भी देश पिछड़ा हुआ है, भारत में तकनीकी का कम विकास, कमजोर शिक्षा ,परंपरागत स्रोत, कृषि का निम्न स्तर, आर्थिक असमानता जैसी अनेक समस्याएं हैं जो विकास मैं बाधक बनती रही है। वर्तमान में देश के पास प्राकृतिक एवं मानव संसाधन इतना है कि बढ़ती जनसंख्या की समस्याओं से आसानी से निपटा जा सके पर इस बात की अत्यंत आवश्यकता है कि संसाधनों का उचित दोहन तथा उसका सही उपयोग विकास की दिशा में भ्रष्टाचार से बचाकर किया जाए। यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि जनसंख्या की समस्या से निपटने तथा विकास की दर को बढ़ाने की जिम्मेदारी केवल शासन प्रशासन की ही नहीं है इसके लिए आम नागरिक भी जिम्मेदार है क्योंकि समस्याएं खड़ी करने में आमजन का एक बड़ा वर्ग भी है, इसीलिए हम सबको जनसंख्या नियंत्रण और विकास की धारा को सही दिशा प्रदान करने के लिए सक्रिय सहयोग देना होगा तब ही देश एक सशक्त राष्ट्र बन पाएगा।

संजीव ठाकुर

कूड़ेदान से उठाई रोटी और गिरती हुई मानवता - एक राष्ट्र की मौन स्वीकृति

हर सुबह जब शहर की रफ्तार दौड़ने लगती है, दफ्तरों की गाड़ियाँ सरपट सड़कों पर भागने लगती हैं, दुकानों के शटर उठते हैं, चाय की दुकानों पर चर्चाएँ गरम होती हैं, और रेड लाइट्स पर भीड़ अपनी मंज़िलों की ओर देखने लगती है उसी समय किसी गली के मोड़ पर, किसी कूड़ेदान के सामने, एक नन्हा सा बच्चा खड़ा होता है। उसका चेहरा धूल से ढका होता है, उसके नंगे पाँवों पर बीते कल की थकान होती है, और उसकी आँखों में वह भूख तड़पती है जिसे शब्दों में नहीं कहा जा सकता। वह झुकता है, अपने नन्हें हाथों से कूड़े के ढेर को टटोलता है, सड़ी हुई सब्ज़ियाँ, जूठे डिब्बे और फेंके गए ब्रेड के टुकड़े उसकी आशा बन जाते हैं। उसके लिए वह कूड़ेदान केवल गंदगी का ढेर नहीं होता, बल्कि जीवित रहने की सबसे बड़ी उम्मीद होता है। यह दृश्य सिर्फ़ एक बच्चे का नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा का आईना है एक आईना जो टूट चुका है, बिखर चुका है, और हमने उससे मुँह मोड़ लिया है। उस बच्चे के पास कोई स्कूल नहीं, कोई घर नहीं, कोई अधिकार नहीं सिर्फ़ भूख है, अभाव है और बेबसी है। और यह सब उस देश में हो रहा है जो दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था होने का दावा करता है, जो अमृतकाल की बात करता है, और जो यह कहता है कि उसके बच्चों में विश्वगुरु बनने की क्षमता है। पर क्या वाकई कोई देश तब तक महान कहलाने का अधिकारी है जब उसके भविष्य उसके बच्चे कूड़ेदान से रोटी उठाने को मजबूर हों? क्या हमने यह मान लिया है कि ऐसे दृश्य इस देश का सामान्य हिस्सा हैं? और यदि हाँ, तो यह स्वीकारोक्ति नहीं, यह हमारी राष्ट्रीय चेतना का पतन है। हमारे संविधान ने हर नागरिक को गरिमा के साथ जीवन का अधिकार दिया है। बच्चों को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा देना राज्य का दायित्व है। लेकिन इन काग़ज़ी घोषणाओं की कोई अर्थवत्ता तब नहीं रह जाती, जब करोड़ों बच्चे आज भी भूखे पेट सोते हैं, जब वे स्कूल की बजाय होटल, ढाबे, कूड़ा-बीनने और भीख माँगने में लगे हैं। वे संविधान के पन्नों पर दर्ज अधिकारों को न जानते हैं, न समझते हैं। उनके लिए देश एक ऐसा शब्द है जिसका कोई मूर्त रूप नहीं उनके लिए सिर्फ़ रोटी है, भूख है, और जीने की जद्दोजहद है। हमारे चारों ओर ऐसे हजारों, लाखों बच्चे हैं जो बचपन में ही जीवन की कठोरता से परिचित हो जाते हैं। वे खेलते नहीं, गाते नहीं, हँसते नहीं वे जीते नहीं, वे बस ज़िंदा रहते हैं। उनके चेहरे पर जो सूखापन है, वह सिर्फ़ गरीबी का नहीं है, वह उपेक्षा का है हम सबकी सामूहिक उपेक्षा का। जब समाज का सबसे मासूम, सबसे निर्बल हिस्सा इस तरह भूख और अपमान के साथ जीने को मजबूर हो, तब किसी भी प्रगति, किसी भी उपलब्धि, किसी भी वैश्विक सम्मान का कोई मूल्य नहीं बचता। समस्या केवल गरीबी की नहीं है, समस्या संवेदनहीनता की है। हमने इन बच्चों को देखना बंद कर दिया है। हमने उन्हें कूड़े के ढेर का हिस्सा मान लिया है। अगर कोई बच्चा रोटी माँगे तो हम उसे डाँटते हैं, अगर वह ट्रैफिक सिग्नल पर काँच साफ़ करे तो हम गाड़ी आगे बढ़ा लेते हैं। हम भूल जाते हैं कि वह बच्चा दरअसल अपने हिस्से का जीवन हमसे माँग रहा है वह कोई एहसान नहीं चाहता, वह सिर्फ़ एक समान अधिकार चाहता है। किसी भी राष्ट्र की असली ताक़त उसके बच्चे होते हैं। पर जब वही बच्चे कुपोषित हों, अशिक्षित हों, असहाय हों, तो वह राष्ट्र आत्मिक रूप से दुर्बल हो जाता है। कूड़ेदानों में सिर झुकाकर रोटी खोजते ये बच्चे दरअसल हमारे समाज की आत्मा को आईना दिखाते हैं। वे हमें बार-बार सवाल करते हैं कहाँ है तुम्हारी मानवता? कहाँ है तुम्हारा धर्म? कहाँ हैं वे मूल्य जिन पर यह राष्ट्र खड़ा हुआ था? धर्मशास्त्रों में अन्न दान को सबसे श्रेष्ठ दान कहा गया है। सेवा को ईश्वर की उपासना माना गया है। हर धर्म ने भूखे को खाना खिलाना, गरीब की मदद करना, और बच्चों की रक्षा को सर्वोपरि बताया है। फिर भी आज जब कोई बच्चा मंदिर के सामने भूखा खड़ा होता है, मस्जिद के बाहर सूखी रोटियों की उम्मीद करता है, चर्च की सीढ़ियों पर काँपता है, गुरुद्वारे की ओर देखता है तो हमारी धार्मिकता की पोल खुल जाती है। सेवा अब केवल सोशल मीडिया के स्टेटस तक सीमित हो गई है, और ज़मीन पर भूख, बेघरपन और असहायता अपने चरम पर है। यह केवल सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं है। यह हमारी भी ज़िम्मेदारी है एक नागरिक के रूप में, एक माता-पिता के रूप में, एक शिक्षित समाज के सदस्य के रूप में। अगर हर मोहल्ले में, हर कॉलोनी में, हर स्कूल में, हर धर्मस्थल में हम यह प्रण लें कि हम कम-से-कम एक भूखे बच्चे के लिए भोजन, शिक्षा और सम्मान सुनिश्चित करेंगे, तो यह दृश्य बदल सकता है। यह समय है कि हम सिर्फ़ चंदे या घोषणाओं से आगे बढ़ें। यह समय है कि हम अपनी ज़िम्मेदारी को व्यक्तिगत और प्राथमिक समझें। हमें बच्चों को दया की नहीं, अधिकार की दृष्टि से देखना होगा। हमें उनकी भूख को अपनी आत्मा की भूख समझना होगा। कूड़ेदान से उठाई गई रोटी से पेट तो भर सकता है, पर जीवन नहीं बनता। जीवन तब बनता है जब बच्चे को प्यार मिले, सुरक्षा मिले, शिक्षा मिले और सपने देखने का हक़ मिले। जब तक हम इन बच्चों को वह हक़ नहीं देंगे, तब तक हम सच्चे अर्थों में स्वतंत्र नहीं हैं, विकसित नहीं हैं, और मानव नहीं हैं। जब अगली बार आप किसी सड़क पर जाएँ और कोई बच्चा कूड़ेदान में कुछ खोजता दिखे तो मत गुजरिए चुपचाप। उसकी आँखों में झाँकिए, उसकी भूख को महसूस कीजिए। और फिर सोचिए, क्या यही वह भारत है जिसे हम गौरव से माँ कहते हैं? यदि नहीं, तो फिर कुछ कीजिए अभी, यहीं, आज। क्योंकि हर भूखा बच्चा, हर टूटा हुआ बचपन, हर गली का यह दृश्य हमारे संवेदी मौन के विरुद्ध उठती एक जीवंत पुकार है। और इस पुकार का उत्तर हमें देना ही होगा।

हंसराज चौरसिया

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन सीतापुर के द्वारा तृतीय डिस्ट्रिक्ट योगासन चैंपियनशिप का हुआ आयोजन

बिसवां/सीतापुर डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन सीतापुर के द्वारा तृतीय डिस्ट्रिक्ट योगासन चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन आनंदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर सीतापुर मैं हुआ जिसमें कृष्ण स्वरूप अग्रवाल सरस्वती बालिका विद्या मंदिर के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें आर्टिस्टिक जूनियर बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राएं आरुषी वर्मा ,कृति शर्मा ट्रेडिशनल इंडिविजुअल योगासन में सब जूनियर बालिका वर्ग जानवी, आंशी वर्मा, प्राची शर्मा, संजना भास्कर, शीतल मौर्या ने प्रतिभाग कर तृतीय स्थान प्राप्त किया दोनों टीमों ने मेडल तथा सर्टिफिकेट प्राप्त किया बालक वर्ग ट्रेडिशनल इंडिविजुअल योगासन में सब जूनियर सुशांत, सुजात, कृष्णांश, संजीत वर्मा प्रतिभाग कर सर्टिफिकेट प्राप्त किया जिला योगासन में विद्यालय के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग कर विद्यालय परिवार तथा अपने माता-पिता को गौरवान्वित किया है। उक्त उपलब्धि के लिए विद्यालय प्रबंधक सुरेंद्र पाल सिंह, अध्यक्ष रेनू मेहरोत्रा, उपाध्यक्षा एकता गुप्ता सहित समस्त प्रबंधन तंत्र ने बच्चों को बहुत-बहुत बधाई दी, प्रधानाचार्या अल्पना अवस्थी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने आशीर्वचनों से भविष्य में निरंतर आगे बढ़ते रहने की शुभकामना दी।

दो बाइक में हुई जोरदार टक्कर पूर्व चेयरमैन समेत दो लोग घायल, एक को भेजा ट्रामा सेंटर

सीतापुर के लहरपुर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को एक गंभीर सड़क हादसा हुआ तंबौर मार्ग पर ग्राम गंगादीन पुरवा के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में पूर्व चेयरमैन समेत दो लोग घायल हो गए। घायलों में पूर्व चेयरमैन डॉक्टर सगीर उर्फ जग्गन (65) और उनके साथी उजूहुल (55) शामिल हैं दोनों मोहल्ला तेलियन टोला तंबौर के रहने वाले हैं ये लहरपुर तहसील में पेशी के लिए जा रहे थे इस दौरान एक अज्ञात बाइक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी हादसे के बाद दूसरा बाइक चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए एंबुलेंस के नहीं आने पर घायलों को निजी वाहन से स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल पूर्व चेयरमैन डॉ सगीर को पहले जिला अस्पताल और फिर लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया उल्लेखनीय है कि दुर्घटना के समय पूर्व चेयरमैन और उनके साथी ने हेलमेट नहीं पहन रखा था!!

विछिप्त युवक ने ट्रेन के आगे कूद कर दी जान

अहिरोरी/हरदोई- क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा बीकापुर मजरा राजा पुरवा निवासी अमित कुमार पुत्र मिश्रीलाल उम्र 24 वर्ष काफी दिनों से मानसिक रूप से बीमार था। घर वाले उसकी बराबर देख-रेख करते थे। कल की रात घर में सोया हुआ था। रात को 3:00 बजे चुपके से उठकर बाइक उठाकर सीधे बघौली रेलवे फाटक पर आया बाइक खड़ी करके रेलवे फाटक के पास खड़ा हो गया। उधर से ट्रेन आ रही थी। तभी लगभग 4:00 बजे ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। सुबह लोग टहलने के लिए निकले थे लोगों ने देखा की ट्रेन के आगे किसी व्यक्ति ने कूद कर जान दे दी है। तुरंत ही आनंन फानन में बघौली थाने व रेलवे पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने आकर युवक का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला भेज दिया।

आवश्यकता है

एल बी एस **Group** आंफ एजूकेशन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कालेज हरदुआ नवाबगंज जिला बरेली में आवश्यकता है वी एड संकाय के शिक्षण कार्य हेतु एन सी टी ई के द्वारा निर्धारित मानक अनुसार विभाग अध्यक्ष प्रवक्ताओं की आवश्यकता है इच्छुक अभ्यर्थी 7 दिनों के अंदर कॉलेज में संपर्क कर सकते हैं।

मो.-9412360790/9675947761
Mail id- Lbscollegevz@gmail.com

अनीता देवी बनीं कोटेदार,86 मतों के अंतर से जीता कोटे का चुनाव

- तीसरी बैठक में सम्भव हो सका चुनाव।
- नोडल अधिकारी व प्रधान के समक्ष पंचायत सचिव ने की गिनती।
- थानाध्यक्ष सहित भारी पुलिस बल रहा मौजूद।

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां (सीतापुर)। सकरन विकास खण्ड की रेवान ग्राम पंचायत में कोटे का चुनाव आखिरकार तीसरी बैठक में सोमवार को सम्पन्न हो गया।भारी मतों के अंतर से अनीता देवी ने अपनी प्रतिद्वंद्वी सीमा देवी को परास्त कर कोटेदार बन गयीं। लगभग चार माह पूर्व सकरन विकास खण्ड की रेवान ग्राम पंचायत में स्थित कोटे की दुकान में राशन वितरण में अनियमितता की शिकायत अधिकारियों द्वारा जांच में सही मिलने पर निरस्त कर दी गई थी। पहले यह कोटा खलीकुन के पास था। तब से अब तक दो बार कोटा चयन के लिए बैठकें बुलाई गयी किन्तु किन्हीं न किन्हीं कारणों से बैठकें निरस्त करनी पड़ीं। सोमवार को तीसरी बार रेवान ग्राम पंचायत की कोटे की दुकान के चयन के लिए बैठक बुलाई गई जिसमें भारी संख्या में ग्राम पंचायत की महिलाएं व पुरुष इकट्ठा हुये। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्वाह्न 11 बजे नोडल अधिकारी (चुनाव) ए0डी0ओ0 पंचायत दिनेश कुमार यादव व ए0डी0ओ0 (आई.एस.बी.) विजय कुमार श्रीवास्तव एवं ग्राम विकास अधिकारी शशिकांत तिवारी व उनके एक अन्य सहयोगी ग्राम विकास अधिकारी प्रदीप कुमार तथा ग्राम प्रधान अवधराम, प्रधान प्रतिनिधि मनोज कुमार गौड़ की उपस्थिति में कार्यवाही शुरू हुई।

निर्धारित समय में मात्र अनीता देवी पत्नी सुशील कुमार मौर्य तथा सीमा देवी पत्नी अनूप कुमार ने नामांकन किया। निर्धारित समय में किसी के नाम वापस न लेने पर गिनती शुरू हुई। सीमा देवी पत्नी अनूप कुमार को 430 महिलाओं और 568 पुरुषों सहित कुल 998

लोगों का समर्थन मिला जबकि अनीता देवी पत्नी सुशील कुमार मौर्य को 456 महिलाओं व 628 पुरुषों सहित कुल 1084 लोगों का समर्थन मिला। इस प्रकार 86 मतों के भारी अंतर से अनीता ने सीमा को परास्त कर कोटे का चुनाव जीत लिया। चुनाव अधिकारी व सचिव सहित ग्राम प्रधान ने नवनिर्वाचित कोटेदार अनीता देवी को जीत की बधाइयां दीं। इस मौके पर थानाध्यक्ष रेउसा हनुमंत लाल तिवारी भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर मौजूद रहे। इस दौरान दिनेश कुमार गौड़, बिंकटेश मौर्य,आकाश मौर्य, दयाराम,धीरज रेवनिया व तौफीक अहमद सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

चोरों के हौसले बुलंद घर को बनाया निशाना, शादी में गए परिवार के घर से एक लाख नगद और सोने के जेवर चोरों ने किया पार

सीतापुर जनपद सीतापुर के महमूदाबाद कस्बे में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाया बीबीपुर मोहल्ले में कंचन सिंह के घर से एक लाख रुपये नकद और सोने के जेवरात चोरी हो गए कंचन सिंह 17 अप्रैल को अपने परिवार के साथ सुरजनपुर गांव में एक विवाह समारोह में गई थीं 21 अप्रैल की सुबह लगभग 7 बजे जब वह घर लौटीं, तो मेन गेट टूटा हुआ मिला चोरों ने घर के ताले और कुंडे काट दिए थे मुख्य कमरे के ताले भी टूटे हुए थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था। पीड़िता ने बताया कि घर से एक लाख रुपये नकद के अलावा सोने की दो चैन और एक अंगूठी गायब हैं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है पुलिस ने चोरों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है इलाके में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोगों में भय का माहौल है!!

दिव्यांग नारायणा की अनोखी मुहिम ट्राई साइकिल से 59 देशों में फैला रहे जागरूकत, 96 हज़ार किमी की यात्रा पूरी

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर कर्नाटक के समाजसेवी बी.वी. नारायणा ने दिव्यांगता को अपनी ताकत बना लिया है वे मोटर चालित ट्राई साइकिल से दुनिया भर में जागरूकता का संदेश फैला रहे हैं अब तक उन्होंने 96,000 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर ली है नारायणा ने 1978 में महज 18 साल की उम्र में अपनी यात्रा शुरू की थी उन्होंने गल्फ देश, अफ्रीका, नॉर्थ अमेरिका, कनाडा और इंग्लैंड समेत 59 देशों का भ्रमण किया है वे दिव्यांगता, सड़क सुरक्षा, रक्तदान, अंगदान और सामाजिक जिम्मेदारियों के बारे में लोगों को जागरूक कर रहे हैं सोमवार को नारायणा अयोध्या होते हुए सीतापुर पहुंचे जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने उनका स्वागत किया प्रशासन ने उनके रहने और खाने की व्यवस्था की नारायणा का मानना है कि समाज की सजगता से कई तरह की दिव्यांगता को रोका जा सकता है वे लोगों को कई महत्वपूर्ण सुझाव देते हैं बच्चों को समय पर पोलियो का टीका लगवाएं विवाह से पहले रक्त की जांच जरूर करवाएं छोटी उम्र के बच्चों को वाहन न दें नशे में या मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए वाहन न चलाएं दसवीं तक पढ़े नारायणा का कहना है कि दिव्यांगों को सरकारी मदद पर निर्भर नहीं रहना चाहिए उन्हें अच्छी क्वालिटी के उपकरणों का उपयोग कर आत्मनिर्भर बनना चाहिए वे नहीं चाहते कि कोई और बच्चा दिव्यांग हो यही सोच उनके जीवन का लक्ष्य बन गई है!!

खेत जा रहे बुजुर्ग किसान की पिकअप की टक्कर से मौत.....

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के उत्तरगांव में सोमवार सुबह खेत जा रहे एक बुजुर्ग किसान को तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम राधाकृष्ण खेड़ा मजरा उत्तरगांव निवासी मैकूलाल (उम्र करीब 65 वर्ष) रोज की तरह सोमवार सुबह लगभग 7:30 बजे अपने खेत की ओर पैदल जा रहे थे। जैसे ही वे गांव के बाहर सड़क पार कर रहे थे, उसी समय सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार महिन्द्रा पिकअप वाहन (वाहन संख्या UP 35 X 7341 ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मैकूलाल सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों की मदद से

परिजन उन्हें तत्काल सीएचसी मोहनलालगंज लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक के पुत्र राजेश कुमार ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उनके पिता सुबह खेत देखने जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। उन्होंने वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।पुलिस का कहना है कि आरोपी वाहन और चालक की तलाश की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज आदि के माध्यम से जांच की जा रही है और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के मामले में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

नगराम, लखनऊ। पुलिस ने न्यायालय से फरार चल रहे एक वांछित को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि बाराबंकी जनपद के लोनी कटरा थाना अन्तर्गत आने वाले मैला बाद निवासी अरविन्द पुत्र जवाहरलाल चोरी के मामले में वांछित चल रहा था, वह लम्बे समय से कोर्ट में तारीख पर नहीं आ रहा था। इस पर कोर्ट ने उसके विरुद्ध गैरजमानती वारंट जारी किए थे , तभी से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। रविवार की शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि वह अपने घर आया हुआ है। सब इंस्पेक्टर उपेन्द्र यादव पुलिस टीम के साथ आरोपी के घर पर दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया और थाने ले आई। थाना प्रभारी ने बताया कि सोमवार को अरविन्द को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है।

एक साथ चुनाव कराने से सरकारी खजाने पर वित्तीय बोझ कम होगा- अलका गुप्ता

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई आर्यकन्या महाविद्यालय में एक राष्ट्र एक चुनाव पर महिला गोष्ठी का आयोजन किया गया गोष्ठी की मुख्य अतिथि अलका गुप्ता ने कहा एक साथ चुनाव कराने से मतदाताओं के लिए सुविधा और आसानी सुनिश्चित होती है, मतदाता थकान से बचते हैं, तथा मतदान प्रतिशत में वृद्धि होती है। एक राष्ट्र एक चुनाव से नीतियों में अधिक निश्चितता आएगी बार-बार चुनाव होने से अनिश्चितता का माहौल बनता है और इससे नीतिगत निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। चुनावों के एक साथ होने से आर्थिक स्थिरता और विकास में वृद्धि होगी, जिससे व्यवसाय प्रतिकूल नीतिगत परिवर्तनों के भय के बिना निर्णय लेने में सक्षम होंगे। जब सरकार के तीनों स्तरों पर एक साथ चुनाव कराए जाएंगे, तो इससे उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला चक्र में व्यवधान से बचा जा सकेगा, क्योंकि इससे प्रवासी श्रमिकों को वोट डालने के लिए छुट्टी लेने से रोका जा सकेगा।

एक राष्ट्र एक चुनाव नीतिगत निष्क्रियता को रोकता है और शासन पर ध्यान केंद्रित बढ़ाता है।एक साथ चुनाव कराने से सरकारी खजाने पर वित्तीय बोझ कम होगा, क्योंकि इससे बीच-बीच में होने वाले चुनावों पर होने वाले व्यय का दोहराव नहीं होगा। एक राष्ट्र एक चुनाव के कार्यान्वयन से दुर्लभ संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग, पूंजी निवेश में वृद्धि और परिसंपत्ति सृजन होगा। एक राष्ट्र एक चुनाव चुनावी कैलेंडर को समन्वित करता है, जिससे शासन के लिए अधिक समय की उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा नागरिकों को निर्बाध सार्वजनिक सेवा प्रदान की जा सकेगी। एक राष्ट्र एक चुनाव से चुनाव संबंधी विवाद और अपराध कम होंगे, जिससे अदालतों पर बोझ कम होगा। एक राष्ट्र एक चुनाव से प्रयासों का दोहराव टाला जा सकेगा तथा राजनीतिक कार्यकर्ताओं, सरकारी अधिकारियों और सुरक्षा बलों का समय और ऊर्जा बचेगी। एक राष्ट्र एक चुनाव से चुनावों के दौरान अक्सर होने वाली सामाजिक असामंजस्यता और संघर्ष में कमी आएगी, क्योंकि चुनाव हर पांच साल में एक बार होते हैं। आर्यकन्या कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर सुमन वर्मा द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई तथा कुशल संचालन डॉक्टर अंजू श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की एवं अन्य शिक्षिकाएं, छात्राएं , महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष मधुबाला , महिला मोर्चा मीडिया प्रभारी कविता टंडन , जिला कार्यकारिणी सदस्य सुमन सिंह आदि अन्य उपस्थित रहे। इसी क्रम में ब्लॉक सभागार संडीला में आयोजित सर्राफ व्यापारी सम्मेलन में मुख्य अतिथि सांसद अशोक रावत विशिष्ट अतिथि सदस्य विधान

परिषद अशोक अग्रवाल ने व्यापारियों को संबोधित किया।

सांसद अशोक रावत ने बताया एक राष्ट्र एक चुनाव से हमारा लोकतंत्र सशक्त होगा व समय,संसाधन,धन की बचत होगी एक साथ चुनाव होने से हमारे विकास कार्यों में तेजी आएगी। अशोक अग्रवाल ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा 1947 में आजादी के बाद भारत में 1951-52, 1957,1962 और 1967 में देश में चार बार एक साथ चुनाव हुए। उन्होंने बताया एक साथ चुनाव से मतदाताओं में अधिक जागरूकता और उत्साह आएगा जिससे मतदान प्रतिशत बढ़ेगा। मंच का संचालन भाजपा जिला मंत्री अजय शुक्ला ने किया सम्मेलन की अध्यक्षता सर्राफ व्यापारी समिति के अध्यक्ष प्रेमप्रकाश गुप्ता ने की। इस अवसर पर अमित गुप्ता अभय गुप्ता अजय द्विवेदी नन्हेलाल व समस्त व्यापारी गण उपस्थित रहे।

छात्र व छात्राओं के रिजल्ट कार्ड बटे, बच्चे हुए प्रोत्साहित

स्वतंत्र प्रभात

अहिरोरी हरदोई- ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा गोपार में सरस्वती ज्ञान मंदिर गोपार में छात्र व छात्राओं को प्रबंधक मनोज कुमार पाल व प्रधानाध्यापक सुनील प्रताप शुक्ला व शिक्षक शिक्षकाओ ने रिजल्ट कार्ड बाटकर बच्चों को प्रोत्साहित किया कि आगे इससे भी बेहतर आप लोगों के रिजल्ट आना है व अपने मां-बाप का नाम का रोशन करना है। आगे भविष्य की उज्जवल कामना करते हुए सभी अध्यापकों ने बच्चों की भविष्य की उज्जवल कामना की छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया। कि इससे आगे और बढ़कर अपने स्कूल का नाम व मां-बाप का नाम क्षेत्र और जिला का नाम रोशन करें। इसके साथ ही

स्कूल में टॉपर रहे। सचिन कुमार 91.8 परसेंट नंबर प्राप्त किया दूसरे नंबर पर अजीत कुमार 85. 8 परसेंट दिव्या कुमारी 83.8 परसेंट नंबर हासिल किया। इसी के साथ सभी अभिभावक मौके पर मौजूद रह। स्कूल में प्रधानाचार्य व प्रबंधक को अध्यापक व अध्यापिका सभी लोगों ने बच्चों को कार्ड बाटकर बच्चों का प्रोत्साहन बढ़ाया आगे भविष्य की उज्जवल कामना की। मौके पर सभी लोग मौजूद अध्यापक उमेश कुमार रंजना कुमारी मंजुला कुमारी भावना कुमारी सुशील कुमार योगेश कुमार अंकित तिवारी शीलू कुमारी कुमकुम कुमारी योगेश कुमार व अभिभावक मौके पर मौजूद रहे।

तेज रफ्तार का कहर ट्रक ने दो साइकिल सवारों को रौंदा हुई मौत, बैंड बजाकर लौट रहे दो किशोर, चालक फरार

रामकोट सीतापुर के रामकोट थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है दिल्ली-सीतापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कटीली पेपर मिल के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार दो किशोरों को कुचल दिया दोनों किशोर एक शादी समारोह में बैंड बजाकर घर लौट रहे थे घायल किशोरों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया मृतक किशोरों की पहचान ग्राम इंद्रानगर के सौरभ (15 वर्ष) और राजकुमार (16 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों रामकोट थाना क्षेत्र के रहने वाले थे वे बैंड पार्टी में काम करके अपने परिवार की आर्थिक मदद करते थे रामकोट थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रक को जब्त कर लिया है हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है जिला अस्पताल में मृतक किशोरों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है उन्होंने ट्रक चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है इस हादसे से पूरे इलाके में शोक की लहर है!!

संडीला नगर पालिका के वार्ड नंबर 25 में सीसी रोड का लोकार्पण, चेयरमैन व अधिशाषी अधिकारी ने किया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात

संडीला(हरदोई)। नगर की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर पालिका चेयरमैन मोहम्मद रईस अंसारी एवं अधिशाषी अधिकारी विजेता गुप्ता ने वार्ड 25 स्थित मोहल्ले में नवनिर्मित सीसी रोड का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने दोनों अधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा माल्यार्पण कर आभार प्रकट किया।

सीसी रोड का निर्माण कार्य ठेकेदार द्वारा मानक अनुरूप एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया गया, जिसे लेकर मोहल्ला वासियों ने संतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान अवर अभियंता सिविल गौरव शुक्ला एवं वार्ड के सभासद मदन गोपाल कश्यप का भी नागरिकों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया और उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन रईस अंसारी ने कहा कि नगर का सर्वांगीण विकास ही हमारी प्राथमिकता है। प्रत्येक वार्ड में सड़कों, नालियों, जल निकासी एवं स्वच्छता संबंधी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के सहयोग से नगर को एक आदर्श नगरी के रूप में विकसित किया जाएगा। अधिशाषी अधिकारी विजेता गुप्ता ने भी नागरिकों को आश्वस्त किया कि नगर पालिका प्रशासन पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कर रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि नगर की सफाई एवं सौंदर्यीकरण में सहयोग करें। इस अवसर पर इरफान हमीद ,मो0 हसीब, मोहल्ले के वरिष्ठ नागरिक फहीम मंसूरी, सफीक अहमद, बंटी एवं नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध निस्तारण करें लेखपाल व कानूनगो- एसडीएम

स्वतंत्र प्रभात

निजी जमीनों के मामलों में दोनों पक्षों के आपसी सहमति पर करें कार्यवाही

हरदोई। एसडीएम सदर सुशील कुमार मिश्र ने अपने दफ्तर में जनसुनवाई के दौरान लेखपाल और कानूनगो को निर्देश दिए है। उन्होंने अधीनस्थ मातहतों से कहा कि जमीनों के निजी मामलों को अधिकांश तौर पर दोनों पक्षों की आपसी सहमति पर निस्तातरित करें। सदर तहसील परिसर स्थित अपने दफ्तर में जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचें करीब 50 फरियादियों की समस्याएं सुनी। इस बीच कई शिकायतों के बारे में

उन्होंने लेखपालों को मौके पर बुलाकर प्रकरण से संबंधित जानकारी जुटाई और त्वरित आवश्यक कार्यवाही के फरमान जारी किए। एसडीएम सदर श्री मिश्र ने आगे कहा कि विरासत संबंधी मामलों को बारीकी छानबीन करते समय से निस्तारण करें। कहा कि आय प्रमाण, निवास प्रमाण पत्र आदि को नियत समय तक जारी किए जाये। एसडीएम सदर ने कहा कि शासकीय कार्यों में ढिलाई कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

ई-रिक्शा बना सड़क पर जाम का कारण

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज कस्बा एक बार फिर बेतरतीब यातायात और सड़क जाम की चपेट में आ गया है। मौरावां मोड़ चौराहा, बस स्टैंड, जेल रोड, तेलीबाग रोड और लखनऊ-रायबरेली मुख्य मार्ग पर हर रोज घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती है। इसका सबसे बड़ा कारण हैं सड़कों पर अनियंत्रित रूप से खड़े होकर ओवरलोड सवारियां भरते ई-रिक्शा, जो न सिर्फ यातायात व्यवस्था को बाधित कर रहे हैं, बल्कि आमजन की दिनचर्या को भी प्रभावित कर रहे हैं।गैर जनपदीय और प्रतिबंधित ई-रिक्शा बने सिरदर्द कस्बा पुलिस चौकी के आसपास, तहसील, डाकघर और कोतवाली गेट तक प्रतिबंधित और बाहर जनपद से चलने वाले ई-रिक्शा बेतरतीब ढंग से खड़े होकर सवारियों की भरमार कर रहे हैं। इनकी वजह से मुख्य मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। यह स्थिति स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और कार्यालय जाने वाले लोगों के लिए गंभीर परेशानी का सबब बन गई है।प्रशासनिक निर्देश हवा में, कार्रवाई सीमित तेज तर्रार एसीपी रजनीश वर्मा ने स्थिति सुधारने के लिए समय-समय पर ई-रिक्शा चालकों के साथ बैठकें कीं और उन्हें सख्त चेतावनी दी कि वे सड़कों पर खड़े होकर सवारियां न भरें और नियमों का पालन करें। इसके साथ ही थाना प्रभारियों व चौकी इंचार्जों को निर्देश दिए गए कि प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल तैनात कर चालान और वाहन सीज की कार्रवाई की जाए। हालांकि, कुछ समय के लिए अभियान चलाया गया और व्यवस्था में सुधार भी दिखा, लेकिन जैसे ही सख्ती कम हुई, रिक्शा चालकों की मनमानी फिर लौट आई।

मुख्यमंत्री के निर्देशों का असर क्षणिक प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री द्वारा ई-रिक्शा संचालन को लेकर जारी किए गए निर्देशों के बाद शासन स्तर से पुलिस को कार्रवाई के स्पष्ट आदेश दिए गए थे। शुरुआत में असर भी देखने को मिला, लेकिन निचले स्तर पर अधिकारियों की उदासीनता के चलते व्यवस्था फिर पटरी से उतर गई।स्थानीय जनता में आक्रोश, समाधान की मांग तेज स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों ने इस बढ़ती अव्यवस्था को लेकर आक्रोश व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि जब तक ई-रिक्शा संचालन के लिए अलग स्थान निर्धारित नहीं किया जाएगा या नियमों का कठोर पालन नहीं होगा, तब तक सड़क जाम की समस्या यूं ही बनी रहेगी।

स्थानीय लोगों की मांग... स्थायी समाधान और सतत निगरानी

जनता ने प्रशासन से मांग की है कि ई-रिक्शा संचालन के लिए वैकल्पिक मार्ग या स्टैंड निर्धारित किए जाएं, साथ ही ट्रैफिक पुलिस द्वारा नियमित निगरानी की जाए ताकि कस्बे की यातायात व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रहे।

गांव के बाहर ऑटो रिक्शा पलटने से मौत

स्वतंत्र प्रभात

कोथावां/हरदोई- बेनीगंज कोतवाली अंतर्गत कोथावां क्षेत्र के गोबरहा निवासी बीरेंद्र पुत्र स्व0 रोहन उम्र करीब 44 वर्ष की ऑटो रिक्शा पलटने से मृत्यु हो गई। मृतक के विकलांग भाई हेमराज ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उनका भाई लखनऊ के किसी ईंट भट्ठे पर दैनिक मजदूरी करता था। दीपावली से घर पर ही रहता था। कल रविवार दोपहर को बीरेंद्र घर से बीस हजार रुपए लेकर मल्हेरा सीमेंट चादर खरीदने गया था। चादर खरीददारी करने के पश्चात गांव के ही प्रकाश पुत्र मथुरी के ऑटो रिक्शा से सीमेंट पटरा लोडकर देर शाम करीब 8 बजे घर आ रहा था वही गांव के बाहर बनी पुलिया के पास ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें बैठे बीरेंद्र के सिर में

चोट लग गई और गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव के ऑटो रिक्शा चालक प्रकाश जिसकी सूचना लेकर हेमराज के घर पहुंचा कि उनका भाई बीरेंद्र पुलिया के पास गंभीर रूप से घायल पड़ा है सूचना सुनते ही भाई हेमराज मौके पर पहुंच पाते की उससे पहले दूसरा साथी आशीष पुत्र सन्त निवासी मवई किसी तीन पहिया ठेलिया से शव को उठाकर घर ले आया शव देखते ही भाई हेमराज व माता कलावती के होश उड़ गए। जिसकी सूचना 112 पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस कोतवाली को सूचना की। उपरोक्त घटना पर कोतवाली प्रभारी ने बताया है एक्सीडेंट का मामला है शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है आगे विधिक कार्रवाई जारी है।

संक्षिप्त खबरें

समय बदला, सुबह सात बजे के हुए स्कूल

मथुरा। गर्मी का सितम अब सिर चढ़कर बोलने लगा है। दूध तन को जलाने लगी है। मौसम के मिजाज में लगातार बदलाव के बावजूद तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। तेज गर्मी के कारण स्कूली बच्चों को राहत दी गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने सभी विद्यालयों के लिए नया समय निर्धारित किया है। नए आदेश के अनुसार, कक्षा 1 से 8 तक की पढ़ाई सुबह 7 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक होगी। यह आदेश सभी परिषदीय विद्यालयों, सहायता प्राप्त स्कूलों, सीबीएसई और अन्य बोर्ड के विद्यालयों पर लागू होगा। बीएसएनल के अनुसार, वर्तमान में मथुरा में हीट वेव की स्थिति है। छोटे बच्चों को विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने चेतावनी दी है कि इन आदेशों का पालन न करने वाले विद्यालयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कुल्ली छह महीने के लिए जिला बदर

जिला मजिस्ट्रेट चन्द्र प्रकाश सिंह ने विवेचन एवं विश्लेषण के अनुक्रम में की कार्यवाही

मथुरा। जिला मजिस्ट्रेट चन्द्र प्रकाश सिंह ने विवेचन एवं विश्लेषण के अनुक्रम में विपक्षी राहुल पुत्र स्व. संजीव शर्मा उर्फ कुल्ली निवासी मैनागढ कृष्णापुरी सदर बाजार जनपद मथुरा को छह माह की अवधि के लिये जनपद मथुरा की सीमा से निष्कासित करने का आदेश जारी किया है। विपक्षी को निर्देशित किया जाता है कि वह इस आदेश की प्राप्ति की तिथि से इस जनपद की सीमा से स्वयं बाहर चला जाये और तब तक जनपद की सीमा में प्रवेश न करे जब तक यह अवधि समाप्त न हो जाये। विपक्षी जनपद से बाहर रहने की सूचना प्रभारी निरीक्षक, थाना सदर बाजार जिला मथुरा को देगा। यदि निर्धारित अवधि में विपक्षी इस आदेश का उल्लंघन या चूक करता है, तो वह उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1970 की धारा 10,11 के उल्लंघन का दोषी माना जायेगा और उसे गिरफ्तार कर विधि व्यवस्था के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। यदि व्यक्ति का किसी विशिष्ट न्यायिक आदेश के अनुपालन में उपस्थित होना आवश्यक है, तो उस न्यायालय में उपस्थित होने के लिए व्यक्ति को धारा 4 के अंतर्गत जिला मजिस्ट्रेट से अनुज्ञा प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी। आदेश की प्रतिलिपि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा एवं प्रभारी निरीक्षक, थाना सदर बाजार जिला मथुरा को भेजी गई है। प्रभारी निरीक्षक, सदर बाजार जिला मथुरा को निर्देशित किया गया है कि वह विपक्षी को जनपद की सीमा से बाहर कर, अनुपालन आख्या आदेश की प्राप्ति की तिथि के तुरन्त बाद इस न्यायालय को उपलब्ध करायेंगे।

फांसी के फंदे पर लटका मिला मध्य प्रदेश के व्यक्ति का शव

45 साल परिवार को लेकर वृंदावन में रह रहा था व्यक्ति

मथुरा। नगर के बांके बिहारी क्षेत्र स्थित ठाकुर राधा स्नेह बिहारी मंदिर के पास एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सोमवार की सुबह बिहारीपुर क्षेत्र स्थित एक घर में एक व्यक्ति का शव फंदे पर झूलता मिला। खबर मिलते ही आनन फानन भीड़ एकत्रित हो गई। जानकारी करने पर पता चला कि रमाकांत तिवारी उम्र लगभग 42 वर्ष बिहारीपुरा क्षेत्र स्थित एक घर में पूजा सेवा का कार्य करता था। यह मकान दिल्ली निवासी अंजलि गोस्वामी का है। जहां पर ठाकुर जी की सेवा पूजा एवं सुबह शाम आरती करने का कार्य रमाकांत तिवारी करते थे। रविवार शाम को जब भी आरती करने आए तो उन्होंने आज पड़ोस के लोगों को बताया कि उनके घर पर मेहमान आए हुए हैं इसीलिए आज रात में यहीं पर सोएंगे। सोमवार की सुबह जब सफाई करने वाली महिला ने दरवाजा खोला, तो दरवाजा पहले से ही खुला हुआ था। दरवाजा खोलते ही सामने रमाकांत तिवारी का शव फंदे पर झूलता हुआ नजर आया। जिसकी सूचना उस महिला द्वारा आस पड़ोस के व्यक्तियों को दी गई। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उतार कर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पड़ोसियों द्वारा बताया गया कि मृतक रतन छतरी क्षेत्र का रहने वाला था उसके परिवार में पत्नी और एक बेटा बेटी है। फिलहाल सभी लोग सन्न हैं क्योंकि मृतक रमाकांत तिवारी बहुत ही हसमुख मिजाज के व्यक्ति थे। उनके अचानक इस कदम से सभी लोग दंग रह गये।

US में गूंजा डंप ट्रम्प, नहीं थम रहा है प्रदर्शन, क्यों भड़के लोग?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ हजारों की संख्या में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। ट्रप के राष्ट्रपति बनने से अबतक चौथा प्रोटेस्ट है।

स्वतंत्र प्रभात

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ अमेरिका के सभी 50 राज्यों में हजारों अमेरिकी सड़कों पर उतरे। ये प्रदर्शनकारी ट्रंप की प्रवासी विरोधी पॉलिसी, टैरिफ नीति और सरकारी नौकरियों में छंटनी का विरोध कर रहे थे। इन प्रदर्शनों को ट्रिस ऑक (Hands (OIT) नाम दिया गया है। 50 राज्यों के हजारों लोगों ने इसमें हिस्सा लिया। वे प्रदर्शन नगरेकों के अधिकारों, आजीविका और अमेरिकी लोकतंत्र के मूलभूत बंचे को खतरा माने जाने वाले मुद्दों पर हो यो है। जैक्सनविले से लॉस एंजिलिस तक पूरे अमेरिका में 700 से अधिक प्रदर्शन हुए। लोकतांत्रिक मूल्यों पर 'खतरा' मंडराने के आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति के आवास वाइट हाउस को भी घेरा गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'Impeach & Remove' और 'तानाशाही का विरोध करो' जैसे नारों वाले पोस्टर और वैनर लहराए। ट्रंप की तुलना जर्मन तानाशाह हिटलर से की गई।

ट्रंप विरोधी इस आंदोलन को '50501' नाम दिया गया। इसका मतलब '50 विरोध प्रदर्शन, 50 राज्य, 1 आंदोलन' है। लोग नारे लगा रहे थे- 'No ICE, No Fear, Immigrants are Welcome Here' यह नारा अमेरिका की इमिग्रेशन एजेंसी ICE के विरोध में था, जो अवैध प्रवासियों को हिरासत में लेती है। प्रदर्शन में अमेरिकी कुशलता आयोग के प्रमुख इलॉन मस्क की आक्रामक नीतियों की भी भर्त्सना की गई। मस्क का यह विभाग लगातार सरकारी विभागों में छंटनी कर रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इलॉन मरक के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग (DOGE) के तहत 200,000 से अधिक केंद्रीय नौकरियों को खत्म कर दिया। एनवाईटी की रिपोर्ट के मुताविक, यह सामाजिक सुरक्षा, राष्ट्रीय उद्यानों और अन्य सेवाओं को प्रभावित कर रहा है। प्रदर्शनकारी इन कटतियों को आवश्यक सेवाओं को खत्म करने वाला मानते हैं, विशेष रूप से बजुर्ग और विकलांग जो सामाजिक सुरक्षा पर ही निर्भर हैं।

'UNTRUMP द वर्ल्ड'

लोगों में इतना गुस्सा है कि अमेरिका के नागरिकों ने राष्ट्रपति ट्रंप की तुलना जर्मनी के तानाशाह हिटलर से कर दी। टैरिफ, अप्रवासी, LGBTQ समेत कई अन्य मुद्दों को लेकर अमेरिका के लोग ये प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन में लोग अलग-अलग तरह के पोस्टर भी लेकर आए हैं। एक पोस्टर पर लिखा है 'DUMP TRUMP'। एक में लिखा है- 'ये राजनीति नहीं नैतिकता का मामला है। NTRUMP द वर्ल्ड'। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 20 जनवरी 2025 को शपथग्रहण किया। हालांकि, उसके बाद से अबतक ट्रंप सरकार की नीतियों के खिलाफ 4 बार बड़े स्तर पर प्रदर्शन हो चुका है। अमेरिकी नागरिक का मानना है कि ट्रंप एक तानाशाह की तरह बर्ताव कर रहे हैं, और उनसे लोकतंत्र को बचाया जाना चाहिए।

एलन मस्क के खिलाफ भी विरोध प्रदर्शन

वहीं कई जगहों पर टेस्ला कार डीलरशिप के बाहर ट्रंप के सलाहकार एलन मस्क और संघीय सरकार को छोटा करने में उनकी भूमिका के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई। कुछ लोगों ने भोजन अभियान, शिक्षण-सत्र और स्थानीय आश्रयों में स्वयंसेवा जैसे अधिक सामुदायिक सेवा जैसा कार्यक्रम आयोजित किया। लोगों ने यूएस इमिग्रेशन और कस्टम्स इंफोर्समेंट के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि "हमारे राज्य में कोई डर नहीं, कोई नफरत

नहीं, कोई ICE नहीं"। एक प्रदर्शनकारी मार्शल ग्रीन ने कहा कि उन्हें सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि ट्रंप ने 1798 के युद्धकालीन एलियन एनिमीज़ एक्ट को लागू किया है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि देश दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र की सरकार से जुड़े वेनेजुएला के गिरोहों के साथ युद्ध में है, भले ही हाल ही में यूएस खुफिया आकलन में उनके बीच कोई समन्वय नहीं पाया गया हो।

न्यू जर्सी में मॉरिसटाउन 61 साल के एक व्यक्ति ने कहा, "कांग्रेस को आगे आकर कहना चाहिए कि नहीं, हम युद्ध में नहीं हैं। आप इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते। आप उचित प्रक्रिया के बिना लोगों को निर्वासित नहीं कर सकते हैं, और इस देश में हर किसी को उचित प्रक्रिया का अधिकार है, चाहे कुछ भी हो।"

एक लोडेड पिस्तौल, एक स्कॉर्पियो कार के साथ अपराधी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। सड़क पर होने वाले अपराध जैसे कि ऑटो लिफ्टिंग, पिक-पॉकेटिंग, स्नैचिंग और डकैती आदि पर अंकुश लगाने के लिए, बीट और पेट्रोलिंग स्टाफ को दिल्ली पुलिस की रोको-टोको रणनीति अपनाने के लिए नियमित रूप से ब्रीफ किया जा रहा है। नतीजतन, स्टाफ ने सड़क अपराध में शामिल अपराधियों को पकड़ने के लिए विषम घंटों के दौरान भी गहन गश्त पर ध्यान केंद्रित किया और उसका संचालन किया। इसके अलावा, नियमित गश्त और रैंडम पिकेट चेकिंग करके बीट क्षेत्रों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई गई है।21 अप्रैल को पीएस साकेत के स्टाफ जिसमें एसआई राहुल, एचसी अभय, सीटी शामिल थे। प्रमोद को अपराध की रोकथाम और पता लगाने के लिए क्षेत्र में गश्त के लिए तैनात किया गया था। गश्त के दौरान जब वे पार्किंग, पीवीआर अनुपम कॉम्प्लेक्स, साकेत के पास पहुंचे, तो उन्होंने एक काले रंग की स्कॉर्पियो कार को संदिग्ध हालत में देखा। संदेह होने पर उन्होंने कार को चेकिंग और सत्यापन के लिए रोका, लेकिन चालक

असमंजस में था और इस संबंध में कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। कार की तलाशी लेने पर, मैगजीन में लोड किए गए 01 पिस्तौल और 04 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। बाद में, उसकी पहचान विवेक के रूप में हुई। इस संबंध में, थाना साकेत में एफआईआर संख्या 160/25 के तहत धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। उसे गिरफ्तार कर लिया गया और पूछताछ जारी है। गिरफ्तार किए गए।विवेक पुत्र गुरुवंत सिंह निवासी निहाल विहार, दिल्ली, उम्र 29 वर्ष है। वह पहले एफआईआर संख्या 201/25 धारा 20 (बी)/21 एनडीपीएस थाना निहाल विहार में शामिल पाया गया है।

समस्तीपुर के वैभव सूर्यवंशीसमस्तीपुर के वैभव सूर्यवंशी का आईपीएल में डेब्यू ! पहली गेंद पर जड़ा छक्का, 20 गेंदों में बनाए 34 रन

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में डेब्यू करते हुए 34 रन बनाए। उन्होंने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा। वैभव आईपीएल इतिहास में ऐसा करने वाले 10वें खिलाड़ी बन गए। वैभव सूर्यवंशी राजस्थान की तरफ से बैटिंग करते हुए अपनी धमाकेदार शुरुआत से हर किसी को हैरान कर दिया। वैभव की इस उपलब्धि से उनके पैतृक गांव ताजपुर में जश्न का माहौल है। मोहल्ले ही नहीं बल्कि पूरा जिला आज अपने इस बेटे पर गर्व कर रहा है। वैभव सूर्यवंशी के इस धमाकेदार खेल को लेकर उनके परिवार, दोस्तों और पड़ोसियों में खासा उत्साह है। वैसे लोगों को इस बात का दुख भी है कि वह इस मैच में जल्दी आउट हो गए, हालांकि उन्हें उम्मीद है कि वैभव कोई बड़ा रिकॉर्ड बनाएंगे।

ओपनिंग करने उतरे वैभव सूर्यवंशी- वैभव सूर्यवंशी को यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करने का मौका मिला। वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर अपना खाता खोला। वह आईपीएल इतिहास में ऐसा करने वाले 10 वें खिलाड़ी बन गए। बतौर भारतीय

खिलाड़ी ऐसा करने वाले वह 10वें खिलाड़ी हैं। वैभव ने अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 170 का रहा। RR ने उन्हें IPL 2025 मेगा ऑक्शन में 1 करोड़ 10 लाख रुपये में खरीदा।

आउट होने के बाद रोने लगे- वैभव सूर्यवंशी एडेन मार्करम की गेंद पर आउट हुए। मार्करम की गेंद को खेलने की कोशिश में वह धोखा खा गए और विकेटकीपर ऋषभ पंत ने उन्हें स्टंप आउट कर दिया। वैभव सूर्यवंशी आउट होने पर काफी भावुक हो गए। उनकी आंखों से आंसू निकल रहे थे। यह देखकर कई लोग हैरान रह गए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

आईपीएल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी- वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने महज 14 साल 23 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। सूर्यवंशी अभी भारत की अंडर-19 टीम का भी हिस्सा हैं। इस मैच की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स को हार का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 180 रन बनाए। धमाकेदार शुरुआत के बावजूद राजस्थान की टीम 178 रन ही बना सकी। यह टीम की 8 मैचों में छठी हार है।

सुंदर पिचाई ने की खूब तारीफ- गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई भी वैभव के मुरीद रहे। उन्होंने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर 14 वर्षीय वैभव की निडर बल्लेबाजी की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि वैभव की बल्लेबाजी देखने के लिए वे सुबह जल्दी उठे। का आईपीएल में डेब्यू ! पहली गेंद पर जड़ा छक्का, 20 गेंदों में बनाए 34 रन

सिलापथार अकाजान में असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा शर्मा की चुनावी सभा सम्बोधन

● 2026 में असम को देश की 5 विकसित राज्य में तब्दील करने की दिया आश्वासन। विकास का बात उल्लेख कर कांग्रेस पर सादा निशाना।

स्वतंत्र प्रभात

असम धेमाजी- 21अप्रैल। धेमाजी जिले की सिलापथार अकाजान जनजाति ट्राइबल हाइ स्कूल खेल मैदान में आज असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा शर्मा ने 2 मई 2025 में असम में अनुष्ठित होनेवाले प्रथम चरण के पंचायत चुनाव के प्रथम चुनावी सभा को सम्बोधन करने सुबह 11 बजे हेलीकॉप्टर से अकाजान पहुंचे। मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए सभी को रंगाली बिहू का शुभकामना एवं बधाई देते अपनी भाषण का शुरुवात किया। पंचायत चुनाव में ग्राम सभा, ग्राम पंचायत में भाजपा के एवं राजनितिक दलों के हस्तक्षेप बिना लोगों को खुद अपने गांव के वार्ड मेम्बर चुनाव करने का सुविधा दिया, लेकिन आंचलिक पंचायत, ओर जिला परिषद में दलीय चिह्न पर चुनाव लड़ने की इस परिवर्तन करने की बात उल्लेख कर मुख्यमंत्री ने कहा कि आंचलिक पंचायत, और जिला परिषद के पद में असम गणपतिषद , ग़नशक्ति, भाजपा गठबन्धन को इस बार पंचायत चुनाव में असम में 3 सौ से अधिक आंचलिक पंचायत और 40 से अधिक जिला परिषद के पार्थी चुनाव के बिना ही लोगों ने

चयन किया कहकर मुख्यमंत्री ने सीदे कांग्रेस पर निशाना साधा, उन्होंने असम में चल रही अन्न सुरक्षा योजना में मुफ्त रोशन भाजपा सरकार ने दिया, और अब नमक, डाल और चीनी बाजार से कम कीमतों में अगले अक्टूबर महीने से देने की बात की वही उजाला योजना, अरुणउदय योजना के पैसा के लिए किसी नेता के घर लाइन लगना नहीं पड़ता, सीधे बैंक अकाउंट में दिया जाता है आज असम के विकास के साथ धेमाजी जिले का भी विकास हुआ है, कांग्रेस के दिन में धेमाजी बाड़ पीड़ित इलाके था,अब धेमाजी में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, रास्ते का विकास भाजपा सरकार ने किया है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को आलोचना करके कहा कि पहले कांग्रेस सिर्फ सुता,कम्बल, और लूंगी धोती का राजनीति करती थी, इसीलिए कांग्रेस का चुनावी प्रतीक लूंगी रख देना चाहिए। आज असम के विकास के रास्ते में असम में बाहर से कंपनियों ने 5 हज़ार करोड़ से अधिक रुपए निवेश करने के लिए आया हैं। हम असम में बिना रिसवत के 1.5 लाख युवाओं नौकरी सरकारी नौकरी दिया है। जिले में बेरोजगार 300 से युवाओं को बेपर करने एवं आत्मनिर्भर होना के 2 लाख रुपए का अनुदान दिया गया है। अगले साल इसे 700 में

बदलने का सरकार का इरादा है।

मुख्यमंत्री ने जिले की सभी जिला परिषद के उम्मीदवारों को मंच में बुलाकर लोगों से भाजपा के साथ गठबन्धन असम गणपरीषद गणशक्ति, सभी उम्मीदवारो को वोट देकर जितने के लिए आह्वान किया। एवं आंचलिक पंचायत और अपनी वार्ड में सही उम्मीदवार चयन करने के लिए गुजारिश की। आज की जनसभा लखीमपुर के सांसद प्रदान बरुवा, असम के शिक्षा मंत्री डॉ रोनुज पेगू, जोनाई चुनावी क्षेत्र के विधायक भुवन पेगू, ऋतुपर्ण बरुवा,भैरव देवरी, मिसिंग स्वायत्त परिषद के अध्यक्ष परमानंद चायेंगिया, भाजपा के जिला अध्यक्ष रूपा कामान, सहित भाजपा के जिला एवं हर मंडल पदाधिकारियों के साथ जिले की जोनाई से लेकर माचकुवा से 40 हजारों से अधिक लोगों ने मुख्यमंत्री के जनसभा में भाग लिया।

राज्यसभा सांसद कांता कर्दम का मथुरा आगमन

राज्यसभा सांसद कांता कर्दम का स्वागत करते भाजपाई।

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी की राज्यसभा सांसद कांता कर्दम सोमवार को एक दिवसीय प्रवास पर मथुरा पहुंचीं। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने रिफाइनरी स्थित सरकारी गेस्ट हाउस में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सांसद को दुपट्टा ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे, विजय शर्मा, राधा सिंह, बादल शर्मा, मोहन भारद्वाज, बबलू चौधरी और सत्यपाल चौधरी सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।सांसद कर्दम ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही पार्टी की असली ताकत है।

20 हजार का इनामी वाहन चोर मक्कू मुठभेड़ में घायल

● कोसीकला थाने से छह मुंकदमों में फरार चल रहा था मक्कू

थाना कोसीकलां पुलिस ने किया मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। थाना कोसीकला पुलिस ने 20 हजार रुपये के शातिर ईनामिया वाहन चोर बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक थाना कोसीकला अरविन्द कुमार निर्वाल के मुताबिक थाना कोसीकलां पुलिस टीम ने चौकी कोटवन क्षेत्रान्तर्गत होडल हरियाणा की तरफ से दहगांव की तरफ जाने वाले रास्ते पर बम्बे की पुलिया पर चौकिंग के दौरान 20 हजार रुपये के शातिर ईनामिया बदमाश मक्कू उर्फ मकसूद पुत्र असरू निवासी

पुलिस मुठभेड में घायल वाहन चोरी का आरोपी अभियुक्त।

जखोफर थाना बिछौर जिला नूँह हरियाणा मुठभेड के दौरान एक तमंचा, दो खोखा व दो जिन्दा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ के दौरान घायल हुए अभियुक्त को उपचार के लिए सीएचसी कोसीकलां में भर्ती कराया गया। घायल अभियुक्त का साथी सरफराज पूर्व में पुलिस मुठभेड़ में गिरफ़्तार किया जा चुका है तभी से मक्कू उर्फ मकसूद थाना कोसीकलां के छह मुकदमों में वांछित चल रहा था। जिस पर एसएसपी ने 20 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया था। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। इसके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल थाना कोसीकलां, एसआई अरविंद पूनिया थाना कोसीकलां, एसआई मनमोहन शर्मा थाना कोसीकलां, एसआई अंकित मलिक, थाना कोसीकलां आदि थे।

कर्ज में डूबे पिता ने रच डाली बेटे के अपहरण की साजिश

● ज्यादा देर तक पुलिस को न रख सका अंधेरे में

मथुरा पुलिस ने पिता पुत्र दोनों को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। कर्ज में डूबे अलीगढ़ के व्यक्ति को जब कोई राह नहीं सूझी तो मथुरा में अपने बेटे के अपहरण की साजिश रच दी। बेहद शातिराना ढंग से पूरी कहानी को गढ़ा गया। पिता ने मथुरा में बेटे के अपहरण और 15 लाख की फिरौती मांगने का मामला भी दर्ज करा दिया। लेकिन ज्यादा समय तक वह पुलिस को अंधेरे में नहीं रख सका। पुलिस ने मामले का राजफाश करते हुए पूरे घटनाक्रम से पर्दा उठा दिया। पुलिस ने पिता पुत्र दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को अलीगढ़ के गुड़ व्यापारी के बेटे का अपहरण हो गया था। इस मामले में सोमवार दोपहर को मथुरा पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार गुड़ व्यापारी ने खुद ही अपने बेटे के अपहरण की साजिश रची थी। पुलिस ने व्यापारी के बेटे को जयपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। गुड़ व्यापारी ने पुलिस को बताया उस पर काफी कर्जा हो गया था, कुछ लोग रोजाना उसके अलीगढ़ के घर पर अपने पैसे मांगने आते थे। इन लोगों से बचने के लिए उसने अपने बेटे के साथ मिलकर ये प्लान बनाया।पुलिस ने पिता पुत्र के खिलाफ पुलिस को गुमराह करने, सरकारी धन का दुरुपयोग कराने के संबंध में मुकदमा दर्ज किया है और दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को कॉल डिटेल और सीसीटीवी फुटेज से इस घटना का खुलासा करने में काफी मदद मिली।

अलीगढ़ के रहने वाले गुड़ व्यापारी नवाब सिंह ने बताया कि उसका अलीगढ़ में गुड़ का कारोबार है। आसपास के जिलों में भी वो व्यापार करते हैं। यहां के कलक्टर गंज इलाके में वो अक्सर पैसे लेने के लिए आते रहते हैं। और कभी कभी अपने बेटे को भी भेज देते हैं। इसके बाद पुलिस ने कोतवाली से लेकर यमुना पार थाना क्षेत्र में 40 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले। सोनू के मोबाइल

एसएसपी श्लोक कुमार घटना के खुलासे की मीडिया को जानकारी देते हुए।

नंबर की लोकेशन और कॉल डिटेल की जानकारी निकाली गई। पुलिस ने कई व्यापारियों से इस बारे में पूछताछ भी की। इनपुट के आधार पर पुलिस की दो टीमों को भरतपुर और अलवर भेजा गया। पुलिस को इस दौरान कुछ अहम सुराग मिले। जिसके बाद पुलिस का शक गुड़ व्यापारी के ऊपर गया।

वर्जन- जब व्यापारी के अपहरण की सूचना मिली तो सर्विलांस, एसओजी, थाना जमुनापार, वृंदावन और जैंत पुलिस की टीमें लगाई गई। एक टीम जब गांव गई तो वहां पता चला कि व्यापारी नवाब सिंह पर 5 लाख रुपए

जब इस्लाम को मानने वाली नुसरत ने केदारनाथ मंदिर का किया दौरा, बोलीं- ऐसी शांति पहले कभी महसूस नहीं हुई, ट्रोलिंग पर दिया जवाब

नुसरत भरूचा ने बताया कि मुसलमान होने के बावजूद कैसे वो हमेशा से केदारनाथ मंदिर जाना चाहती थीं।

स्वतंत्र प्रभात

'प्यार का पंचनामा' फेम एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने हाल ही में केदारनाथ मंदिर जाने के अपने अनुभव के बारे में बताया। नुसरत इस्लाम धर्म को मानती हैं लेकिन उन्होंने खुलासा किया कि वो हमेशा से ही केदारनाथ और बद्रीनाथ मंदिर जाना चाहती थीं।

नुसरत भरूचा हाल ही में एक पॉडकास्ट में नजर आई थीं जहां उन्होंने कहा कि ऊपरवाला केवल एक होता है, बस उस तक पहुंचने के लिए रास्ते अलग-अलग होते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वो ठान लेती हैं कि उन्हें कुछ करना है तो वो करके ही रहती हैं।

केदारनाथ मंदिर जाकर नुसरत ने क्या किया?

नुसरत ने कहा कि कैसे उनका केदारनाथ जाने का बड़ा ही मन था। उनके अंदर भोले बाबा के प्रति आस्था है और वो केदारनाथ मंदिर जाकर केवल वहां शांति से बैठना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि उनके मन में कोई जल्दबाजी, हड़बड़ी, टेंशन या सवाल कुछ नहीं था। बाहर से हवा का शोर आ रहा था लेकिन अंदर से वो काफी शांत थीं। मंदिर जाते ही उन्हें ये शांति महसूस हुई जिसे वो शब्दों में बयां नहीं कर सकतीं। एक्ट्रेस ने कहा कि वो मुसलमान हैं लेकिन वो बचपन से मंदिर जाती रही हैं। वो वैष्णोदेवी मंदिर जाकर माथा भी टेक चुकी हैं। उन्होंने पैदल चढ़ाई करते हुए ऊपर मंदिर में जाकर दर्शन किए थे। नुसरत ने कहा कि उन्हें माता रानी का बुलावा आया था। उन्होंने बताया कि उनके मां-बाप का मानना है कि विश्वास सबका निजी होता है, ये आप किसी पर थोप नहीं सकते। वो अपनी आंटी के साथ चर्च में जाकर कैंडल भी जलाती हैं।

मंदिर जाने पर ट्रोल होने पर बोलीं

नुसरत

नुसरत ने इंटरव्यू में आगे बताया कि वो नमाज भी पढ़ती हैं और रोजा रखती हैं। वो कोशिश करती हैं कि दिन में पांच बार नमाज पूरी कर लें। वो बाकी धर्मों का भी दिल से सम्मान करती हैं। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि कैसे मंदिर की तस्वीरें पोस्ट करने पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। नुसरत के फोटो पर लोग ऐसे-ऐसे कमेंट्स करते हैं कि वो कैसी मुसलमान हैं। उनके कपड़ों को लेकर भी उन्हें टारगेट किया जाता है लेकिन एक्ट्रेस इन बातों पर ध्यान नहीं देती। उन्होंने कहा कि जब ऊपरवाले के साथ आपका कनेक्शन शुद्ध हो तो

वृंदावन में गूंजा भूटान का सांस्कृतिक स्वर

» गीता शोध संस्थान में 'पन्नाई यादों का कल्पतरु भूटान' पुस्तक का लोकार्पण

»डा शुभदा पांडेय की पुस्तक भारत-भूटान के सांस्कृतिक संबंधों को करेगी और भी प्रगाढ़

वृंदावन। गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी वृंदावन के सभागार में प्रसिद्ध लेखिका डॉ. शुभदा पाण्डेय की कृति 'पन्नाई यादों का कल्पतरु रू भूटान' का लोकार्पण किया गया। यह पुस्तक भारत भूटान के सांस्कृतिक संबंधों पर केन्द्रित है, जिसमें लेखिका ने अपने व्यक्तिगत यात्रा अनुभवों और सांस्कृतिक शोध को कलात्मक भाषा में प्रस्तुत किया है। अध्यक्षता शिक्षाविद् एवं संस्थापक कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार शर्मा ने की। मंच पर ब्रज लोक कला केन्द्र के अध्यक्ष विष्णु प्रकाश गोयल, केन्द्र के सचिव दीपक गोयल, सुप्रसिद्ध भजन गायक बिहारी शरण जी महाराज, अवकाश प्राप्त डीआईओएस डा. एस.पी. गोस्वामी, विदेश मंत्रालय में अवर सचिव रह चुके श्री महेश चंद्र शर्मा ने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. रवीन्द्र कुमार शर्मा ने लेखिका के सांस्कृतिक दृष्टिकोण और भूटान की यात्राओं को विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि ÷शुभदा जी ने भूटान जैसे शांतिप्रिय और आध्यात्मिक राष्ट्र की यात्रा करके वहां की संस्कृति को जिस सूक्ष्मता से आत्मसात किया और फिर साहित्यिक रूप में प्रस्तुत किया, वह अनुकरणीय है। संचालन गीता शोध संस्थान के कोऑर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने किया। विगत में गीता शोध संस्थान वृंदावन के आयोजनों में योगदान व सहयोग देने वालों में प्रमुख रूप से साहित्यकार डा. अनीता चौधरी, ब्रज भाषा के कवि अशोक अज्ञ, कलाकार विनय गोस्वामी, श्रीमती मोहिनी कृष्णदासी, पूर्व डीआईओएस डा. एस.पी. गोस्वामी आदि को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गये।

पन्नाई यादों का कल्पतरु भूटान पुस्तक के लोकार्पण अवसर पर मौजूद अतिथिगण।

कार्यक्रम में आरसीए कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, प्राचार्य डा देव प्रकाश शर्मा, रासाचार्य घनश्याम शर्मा एवं रितु सिंह आदि साहित्य, कला और अध्यात्म जगत के विद्वान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित साहित्य व सांस्कृतिक जगत के लोगों ने लेखिका को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि ये पुस्तक भारत भूटान सांस्कृतिक रिश्तों को और प्रगाढ़ करने में मील का पत्थर सिद्ध होगी।